

S-25 March, 2013 AC after Circulars from Circular No.153 &amp; onwards

- 19 -

**DR. BABASAHEB AMBEDKAR MARATHWADA UNIVERSITY****CIRCULAR NO.ACAD/NP/Arts/B.A.-Ist Yr./SEM.-I & II/158/2013**

It is hereby notified for information of all concerned that, the syllabus prepared by the Boards of Studies, Ad-hoc Boards & Committee and recommended by the Faculty of Arts, the **Academic Council at its meeting held on 25-03-2013** has accepted the following revised syllabi for **B.A., B.Sc., B.Com., B.F.A. & B.S.W. for First Year as Optional, Second Language under the Faculty of Arts progressively :-**

| Sr. No. | Revised Syllabus                                                             |
|---------|------------------------------------------------------------------------------|
| [1]     | B.A. [Marathi] Semester- I & II,                                             |
| [2]     | B.A. [Hindi] Semester- I & II,                                               |
| [3]     | B.A. [English] Semester- I & II,<br>[Compulsory, Optional & Second Language] |
| [4]     | B.A. [Urdu and Arabic] Semester- I & II,                                     |
| [5]     | B.A. [Islamic Studies] Semester- I & II,                                     |
| [6]     | B.A. [Sanskrit] Semester- I & II,                                            |
| [7]     | B.A. [Pali & Buddhism] Semester- I & II.                                     |

This is effective from the **Academic Year 2013-2014** and onwards.

These syllabi are available on the University Website **www.bamu.net**

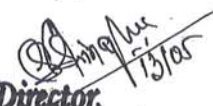
All concerned are requested to note the contents of this circular and bring the notice to the students, teachers and staff for their information and necessary action.

University Campus,  
Aurangabad-431 004.  
REF.NO.ACAD/NP/ARTS/1ST YEAR/  
Sem-I & II/2013/5548-4968  
**A.C.M.A.I.No.16.**

**Date:- 08-05-2013.**

★  
★  
★  
★  
★  
★  
★

\*\*\*\*\*

  
**Director,**  
**Board of College and**  
**University Development.**

..2..

S-25 March, 2013 AC after Circulars from Circular No.153 &amp; onwards

- 20 -

:: [2] ::

**Copy forwarded with compliments to :-**

- 1] **The Principals, affiliated concerned Colleges,  
Dr. Babasaheb Ambedkar Marathwada University.**
- 2] **The Director, University Network & Information Centre, UNIC, with  
a request to upload the above all syllabi on University Website  
[www.bamu.net].**

**Copy to :-**

- 1] The Controller of Examinations,
- 2] The Superintendent, [B.A. Unit],
- 3] The Superintendent, [B.Sc. Unit],
- 4] The Superintendent, [B.Com. Unit],
- 5] The Superintendent, [Eligibility Unit],
- 6] The Programmer [Computer Unit-1] Examinations,
- 7] The Programmer [Computer Unit-2] Examinations,
- 8] The Director, [E-Suvidha Kendra], in-front of Registrar's Quarter,  
Dr. Babasaheb Ambedkar Marathwada University,
- 9] The Public Relation Officer,
- 10] The Record Keeper,  
**Dr. Babasaheb Ambedkar Marathwada University.**

-\*\*\*-

S\*/080513/-

S-[F] NPW-02 June-2013-14 All Syllabus Arts Faculty B.A. Marathi Sem.-I & II 2003

- 3 -

**DR. BABASAHEB AMBEDKAR  
MARATHWADA UNIVERSITY,  
AURANGABAD.**



**Syllabus of**

**Marathi (First Language)**

**B.A./B.COM./B.SC./B.F.A/B.S.W.**

**Semester- I & II**

**(Effective from 2013 – 2014 & onwards)**

डॉ.सदाशिव सरकटे  
अध्यक्ष-मराठी अभ्यास मंडळ  
डॉ.बाबासाहेब आंबेडकर  
मराठवाडा विद्यापीठ,  
औरंगाबाद.



डॉ. बाबासाहेब आंबेडकर मराठवाडा विद्यापीठ, औरंगाबाद

बी.ए./बी.कॉम./बी.एस्सी./बी.एस.डब्ल्यू

प्रथम वर्ष मराठी (प्रथम भाषा) (सत्र पहिले व सत्र दुसरे)

कोड नं. MAR001, MAR002

अभ्यासपत्रिका गद्य - पद्य व उपयोजित मराठी

संपादक मंडळ

(मराठी अभ्यास मंडळ)

| अ.क्र. | नाव                                 | पद      |
|--------|-------------------------------------|---------|
| ०१     | डॉ. सरकटे सदाशिव हरिभाऊ             | अध्यक्ष |
| ०२     | डॉ. हंडीबारा भारत सोपानराव          | सदस्य   |
| ०३     | डॉ. गिमेकर परशुराम लक्ष्मण          | सदस्य   |
| ०४     | डॉ. घोंडगे भुंजा बाबुराव            | सदस्य   |
| ०५     | डॉ. पाटंगणकर विद्यासागर जनार्दन     | सदस्य   |
| ०६     | डॉ. शिंदे संजय दासू                 | सदस्य   |
| ०७     | डॉ. तुपे केशव परबत                  | सदस्य   |
| ०८     | डॉ. नळगे राजशेखर शरणप्पा            | सदस्य   |
| ०९     | प्राचार्य डॉ. बिरादार वसंत भाणिकराव | सदस्य   |
| १०     | डॉ. सार्वेकर कैलास नारायण           | सदस्य   |

## डॉ. बाबासाहेब आंबेडकर मराठवाडा विद्यापीठ, औरंगाबाद

बी. ए. / बी. कॉम. / बी. एस्सी./बी.एस.डब्ल्यू.

प्रथम वर्ष मराठी अभ्यासक्रमाकरिता

शैक्षणिक वर्ष जून २०१३ -२०१४ पासून

अभ्यासक्रमाची उद्दिष्टे :

- (१) विद्यार्थी हे केंद्र-बिंदू मानून त्याचे भाषिक आकलन - आविष्करण समृद्ध करणे.
- (२) प्रथम वर्षाच्या विद्यार्थ्यांचे वय / मानसिकता / क्षमता लक्षात घेऊन त्यांचा विकास घडवून आणण्याच्या दृष्टीने अध्ययन सामग्री देणे.
- (३) प्रथम वर्ष हा पाया समजून पायाभूत वाङ्मयीन व भाषिक कौशल्याचे ज्ञान उपलब्ध करून देणारा अध्ययन क्रम सिद्ध करणे.
- (४) मराठीतील जुन्या , नव्या कवी / लेखकांच्या कलाकृतींचा परिचय व्हावा म्हणून निवडक काव्य / कथा/ कथांश सिद्ध करून देणे.
- (५) पदवी पातळीवरील अभ्यासक्रमाची सिद्धता ही पदव्युत्तर अभ्यासाची पूर्वतयारी असते याचे भान ठेवून अध्यापन साधने पुरवणे.
- (६) स्पर्धा परीक्षेच्या / व्यावहारिक भाषिक कौशल्याच्या दृष्टीने भाषिक कौशल्याचे ज्ञान देणे.
- (७) दैनंदिन भाषा वापर , साहित्यातील उपयोग व कार्यालयीन उपयोजनांचा विचार.
- (८) माध्यमांच्या दृष्टीने अध्ययनाची कक्षा ठरवणे.
- (९) भाषेतील संवाद / उच्चार /लेखन/ विस्तार / शब्दसंग्रह यांचा परिचय.
- (१०) मराठी भाषेतील जुन्या / नव्या भाषेच्या वापराचा अर्थ , काव्यार्थ, सूचकता , तत्कालीन भाषिक शब्दकळा ,परभाषा , पर्यावरण , मानवी मूल्य , सुसंस्कार , सामाजिक संदर्भ / सांस्कृतिकता याचा काव्य / गद्य अंशाच्या निमित्ताने परिचय घडवणे.

**घटक विश्लेषण :**

- १) अभ्यासक्रमात समाविष्ट करण्यात आलेल्या पाठाच्या लेखकांचा व कवितेच्या कवींचा परिचय करून देणे.
- २) पाठातील व कवितेतील आशय समजावून देणे.
- ३) पाठातील सामाजिक मूल्य आकलन करून देणे.
- ४) कवितेतील सामाजिक, सांस्कृतिक मूल्य समजावून देणे.
- ५) विद्यार्थ्यांना नीटपणे लिहिता वाचता यावे, उच्चार स्पष्ट करता यावे, वाक्यरचना नीट करता यावी, यासाठी मराठी लेखन विषयक नियम समजावून सांगणे.
- ६) कार्यालयीन लेखन तंत्राविषयी माहिती करून देणे.
- ७) योग विद्याभ्यासाची माहिती सांगणे.
- ८) वाचन संस्कृती वृद्धिंगत होण्यासाठी विद्यार्थ्यांना ग्रंथालये व ग्रंथ यासंबंधीची माहिती सांगणे.
- ९) पत्र लेखनाचे व भाषांतराचे आकलन करून देणे.

S-[F] NPW-02 June-2013-14 All Syllabus Arts Faculty B.A. Marathi Sem.-I &amp; II OK

- 7 -

**डॉ. बाबासाहेब आंबेडकर मराठवाडा विद्यापीठ, औरंगाबाद****बी. ए. / बी. कॉम. / बी. एस्सी./बी.एस.डब्ल्यू.****प्रथम वर्ष मराठी (प्रथम भाषा) अभ्यासक्रमाकरिता****शैक्षणिक वर्ष जून २०१३ -२०१४ पासून****सत्र पहिले****कोड नं. MAR००१: अभ्यास पत्रिका गद्य-पद्य व उपयोजित मराठी****भाग १ ला****तासिका - २०****गद्य विभाग****अ- घटक**

|     |                       |   |                         |
|-----|-----------------------|---|-------------------------|
| (१) | ससीक रक्षण            | - | म्हाडभट                 |
| (२) | अर्जदस्त              | - | संत एकनाथ               |
| (३) | राजाची कर्तव्ये       | - | रामचंद्रपंत अमात्य      |
| (४) | जिजाऊ आमची सून जाली   | - | दत्ताजी त्रिमल वाकेनवीस |
| (५) | तुम्ही सदाचरणाने वागा | - | ताराबाई शिंदे           |
| (६) | परमेश्वराचे भवितव्य ! | - | श्री.म.माटे             |

**पद्य विभाग****ब - घटक****तासिका-२०**

|      |                                     |   |                   |
|------|-------------------------------------|---|-------------------|
| (१)  | घुळी आतील रत्न                      | - | मुकुंदराज         |
| (२)  | कुश्चळ भूमीवरी उगवली तुळसी          | - | संत नामदेव        |
| (३)  | आनंदे वोवीया                        | - | संत निर्मळा       |
| (४)  | भासा बांधोनि मराठिया                | - | फादर स्टिफन्स     |
| (५)  | पूर्वभाग्यदिशा                      | - | संत जनीजनार्दन    |
| (६)  | पाडसदेवा                            | - | संत दासोपंत       |
| (७)  | यातिभेद कुळकर्म गुरुर्षी मूळ नाहिरे | - | रामानंद स्वामी    |
| (८)  | ऐसे केलेया गोपाळे                   | - | संत शेख महंमद     |
| (९)  | मन करा रे प्रसन्न                   | - | संत तुकाराम       |
| (१०) | तुझ्या प्रीतीचे                     | - | होनाजी-बाळा       |
| (११) | सत्याग्रही बसव (अनु वचने )          | - | जयदेवीताई लिंगाडे |

उपयोजित मराठी

क-घटक

तासिका-२०

- (१) लेखन-विषय नियम
- (२) पत्र-लेखन (कौटुंबिक व कार्यालयीन)
- (३) विराम-चिन्हे
- (४) भाषांतर ( इंग्रजी उताऱ्याचे मराठी भाषांतर ४० ते ५० शब्दात)

**डॉ. बाबासाहेब आंबेडकर मराठवाडा विद्यापीठ, औरंगाबाद****बी. ए. / बी. कॉम. / बी. एस्सी./बी.एस.डब्ल्यू.****प्रथम वर्ष मराठी (प्रथम भाषा) अभ्यासक्रमाकरिता****शैक्षणिक वर्ष जून २०१३ -२०१४ पासून****सत्र दुसरे****कोड नं. MAR००२: अभ्यास पत्रिका गद्य-पद्य व उपयोजित मराठी****भाग- २ रा****गद्य विभाग****अ-घटक****तासिका-२०**

- |                           |   |                       |
|---------------------------|---|-----------------------|
| (१) शेवटचे कीर्तन         | - | संत गाडगेबाबा         |
| (२) देशाचे भवितव्य        | - | डॉ. बाबासाहेब आंबेडकर |
| (३) लोकभाषा हीच ज्ञानभाषा | - | यशवंतराव चव्हाण       |
| (४) कोवळे मरण             | - | भालचंद्र नेमाडे       |
| (५) ठिणगी                 | - | रामराव झुंजारे        |
| (६) भूक                   | - | महादेव गायकवाड        |

**पद्य विभाग****ब-घटक****तासिका-२०**

- |                                   |   |                   |
|-----------------------------------|---|-------------------|
| (१) कुळंबिण                       | - | म. जोतिबा फुले    |
| (२) निर्झरास                      | - | बालकवी            |
| (३) नवमहाराष्ट्र गीत              | - | सुरेश भट          |
| (४) आई                            | - | ग्रेस             |
| (५) गिरोबा                        | - | वीर धवल परब       |
| (६) मल्टीलुटालुटीचा झिंग लपालपा - | - | अरुण काळे         |
| (७) बिरसा मुंडा                   | - | भुजंग मेश्राम     |
| (८) गुणवत्तेचा निकष               | - | संभाजी सावळकर     |
| (९) ग्लोबल मेंदीची नक्षी          | - | अजीम नवाज राही    |
| (१०) बाप                          | - | संजय आघाव         |
| (११) काय असतं प्रेम               | - | प्रतीक्षा गायकवाड |

## उपयोजित मराठी

क-घटक

तासिका-२०

- (१) घोषवाक्य (सामाजिक / राजकीय / पर्यावरण / सांस्कृतिक )
- (२) संवाद लेखन
- (३) अहवाल लेखन
- (४) जाहिरात लेखन

## उपयोजित मराठी या विभागासाठी

## संदर्भ ग्रंथ :

१. मराठी शुद्धलेखनविषयक नियम : मो.रा.वाळंबे
२. वस्तुनिष्ठ आकलन आणि : प्रा.नरेंद्र मारवाडे  
उपयोजित मराठी लेखन
३. उपयोजित मराठी : प्रकाश मेदककर
४. उपयोजित मराठी : ल.रा. नसिराबादकर
५. व्यावहारिक मराठी : प्रकाश परब
६. मराठी लेखन मार्गदर्शिका : यास्मिन शेख

**DR. BABASAHEB AMBEDKAR  
MARATHWADA UNIVERSITY,  
AURANGABAD.**



**Syllabus of**

**Marathi (Optional)**

**B.A. First Year**

**Semester- I & II**

**(Effective from 2013 – 2014 & onwards)**



डॉ. बाबासाहेब आंबेडकर मराठवाडा विद्यापीठ, औरंगाबाद

बी.ए.प्रथम वर्ष

ऐच्छिक ( सत्र पहिले व सत्र तिसरे)

अभ्यासपत्रिका कोड नं. MAR101 काव्यात्म साहित्य (अभ्यासपत्रिका पहिली)

अभ्यासपत्रिका कोड नं. MAR103 कथात्म साहित्य (अभ्यासपत्रिका तिसरी)

संपादक मंडळ

( मराठी अभ्यास मंडळ )

| अ.क्र. | नाव                                 | पद      |
|--------|-------------------------------------|---------|
| ०१     | डॉ. सरकटे सदाशिव हरिभाऊ             | अध्यक्ष |
| ०२     | डॉ. हंडीबाग भारत सोपानराव           | सदस्य   |
| ०३     | डॉ. गिमेकर परशुराम लक्ष्मण          | सदस्य   |
| ०४     | डॉ. धोंडगे मुंजा बाबुराव            | सदस्य   |
| ०५     | डॉ. पाटंगणकर विद्यासागर जनार्दन     | सदस्य   |
| ०६     | डॉ. शिंदे संजय दासू                 | सदस्य   |
| ०७     | डॉ. तुपे केशव परबत                  | सदस्य   |
| ०८     | डॉ. नळगे राजशेखर शरणप्पा            | सदस्य   |
| ०९     | प्राचार्य डॉ. बिरादार वसंत भाणिकराव | सदस्य   |
| १०     | डॉ. सार्वेकर कैलास नारायण           | सदस्य   |

## डॉ. बाबासाहेब आंबेडकर मराठवाडा विद्यापीठ, औरंगाबाद

शैक्षणिक वर्ष जून २०१३ -२०१४ पासून

विषय: मराठी, बी.ए.प्रथम वर्ष (ऐच्छिक)

कोड नं. MAR-१०१

अभ्यासपत्रिकेचे नाव : काव्यात्म साहित्य

(अभ्यासपत्रिका पहिली )

तासिका-६०

सत्र पहिले

निवडक कवींच्या कवितांचा अभ्यास

### (१) केशवसुत

- १.१ कोणीकडून ? कोणीकडे
- १.२ मूर्तिमंजन
- १.३ तुतारी
- १.४ कविता आणि कवि
- १.५ प्रीति

### (२) बहिणाबाई चौधरी

- २.१ मन
- २.२ संसार
- २.३ उगवले नारायण
- २.४ खोपा
- २.५ हिरीताचं देनं घेनं

### (३) कुसुमाग्रज

- ३.१ सात
- ३.२ माळाचे मनोगत
- ३.३ स्वप्नांची समाप्ती
- ३.४ अश्वत्थामा
- ३.५ सर्वात्मका शिवसुंदरा

## (४) नारायण सुर्वे

- ४.१ दोन दिवस
- ४.२ मनी - ऑडर
- ४.३ कार्ल मार्क्स
- ४.४ तुमचंच नाव लिवा
- ४.५ चार शब्द

## (५) अरुण कोलटकर

- ५.१ श्रीज्ञानेश्वरसमाधिदर्शन
- ५.२ मेणबत्ती
- ५.३ घाणा
- ५.४ अन्न
- ५.५ भूपाळी

## (६) नामदेव ढसाळ

- ६.१ रमाबाई आंबेडकर
- ६.२ पाणी
- ६.३ कॉम्प्रेड अर्थात १२ बलुतेदारांसाठी
- ६.४ मूर्ख म्हातान्याने डोंगर हलविले
- ६.५ अंधाराने सूर्य पाहिला तेव्हा

डॉ.बाबासाहेब आंबेडकर मराठवाडा विद्यापीठ,औरंगाबाद

शैक्षणिक वर्ष जून २०१३ -२०१४ पासून

विषय:मराठी बी.ए.प्रथम वर्ष (ऐच्छिक)

कोड नं.MAR-१०२

अभ्यासपत्रिकेचे नाव : नाट्यात्म साहित्य

(अभ्यासपत्रिका दुसरी)

सत्र पहिले

तासिका -६०

नाट्यात्म साहित्य

१. अ) फाटलेला पतंग ब) चिंगी महिन्याची झाली नाही तोच - शंकर गोविंद दिवाकर
२. उपरे - रा.रं.बोराडे
३. मुलगी झाली हो..... - ज्योति म्हापसेकर
४. यातना उत्सव - बापू घोक्षे

DR. BABASAHEB AMBEDKAR MARATHWADA

UNIVERSITY, AURANGABAD.



Syllabus of

Marathi (Optional)

B.A. First Year

Semester- I & II

(Effective from 2013 – 2014 & onwards)

## डॉ.बाबासाहेब आंबेडकर मराठवाडा विद्यापीठ,औरंगाबाद

शैक्षणिक वर्ष जून २०१३ -२०१४ पासून

विषय: मराठी बी.ए.प्रथम वर्ष (ऐच्छिक)

कोड नं.MAR-१०३

अभ्यासपत्रिकेचे नाव : कथात्म साहित्य

(अभ्यासपत्रिका तिसरी )

तासिका-६०

सत्र दुसरे

कथात्म साहित्य

- |      |                               |                    |
|------|-------------------------------|--------------------|
| (१)  | सरत्या पावसाळ्यांतील एक रात्र | - बी. रघुनाथ       |
| (२)  | भोमक्या                       | - अण्णाभाऊ साठे    |
| (३)  | अंतःकरणाचे रत्नदीप            | - विभावरी शिरूरकर  |
| (४)  | नदीकाठचा प्रकार               | - द.मा.मिरासदार    |
| (५)  | गांधीजी २००१                  | - रंगनाथ पठारे     |
| (६)  | आपण माणसात जमा नाही           | - राजन गवस         |
| (७)  | हिशोब                         | - भास्कर चंदनशिव   |
| (८)  | चोळी                          | - आबासाहेब वाघमारे |
| (९)  | अण्णा                         | - एल.पी.उगिले      |
| (१०) | केशी                          | - झा.रा.पंडित      |
| (११) | तीन पावलं दान                 | - कुमार खरात       |

डॉ.बाबासाहेब आंबेडकर मराठवाडा विद्यापीठ,औरंगाबाद

शैक्षणिक वर्ष जून २०१३ -२०१४ पासून

विषय:मराठी बी.ए.प्रथम वर्ष (ऐच्छिक)

कोड नं.MAR-१०४

अभ्यासपत्रिकेचे नाव : मुद्रित माध्यमासाठी लेखन कौशल्ये

(अभ्यासपत्रिका चौथी)

सत्र दुसरे

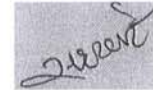
तासिका-६०

मुद्रित माध्यमासाठी लेखन कौशल्य

१. वृत्तपत्राचे स्वरूप व महत्त्व
२. बातमी लेखन
३. स्तंभलेखन
४. मुलाखत
५. संवाद लेखन
६. अग्रलेख
७. समीक्षात्मक लेखन
८. जाहिरात लेखन
९. वाचकांची पत्रे
१०. निविदा तयार करणे

संदर्भ ग्रंथ :

- १) उपयोजित मराठी: ल.रा.नसिराबादकर,फडके प्रकाशन,कोल्हापूर
- २) व्यावहारिक मराठी : संपा.स्नेहल तावरे, स्नेहवर्धन प्रकाशन,पुणे
- ३) व्यावहारिक मराठी : ल.रा.नसिराबादकर,फडके प्रकाशन,कोल्हापूर
- ४) उपयोजित मराठी : विद्या बुक्स पब्लिकेशन,औरंगाबाद.
- ५) वस्तुनिष्ठ आकलन आणि उपयोजित मराठी लेखन-प्रा.नरेन्द्र मारवाडे.
- ६) पत्रकारितेची मूलतत्वे-प्रभाकर पाध्ये,मेहता पब्लिकेशन, पुणे
- ७) व्यावहारिक मराठी संपा.दत्तात्रय पुंडे, कल्याण काळे, निराली प्रकाशन,पुणे



डॉ.सदाशिव सरकटे

अध्यक्ष-मराठी अभ्यास मंडळ

डॉ.बाबासाहेब आंबेडकर मराठवाडा

विद्यापीठ,औरंगाबाद.

S-[F] NPW-02 June-2013-14 All Syllabus Arts Faculty B.A. Marathi Sem.-I &amp; II OK

- 19 -

**डॉ.बाबासाहेब आंबेडकर मराठवाडा विद्यापीठ,औरंगाबाद**

बी. ए. / बी. कॉम. / बी. एस्सी./बी.एस.डब्ल्यू.

प्रथम वर्ष मराठी अभ्यासक्रमाकरिता

शैक्षणिक वर्ष जून २०१३-२०१४ पासून

गद्य-पद्य व उपयोजित मराठीसाठी

प्रश्नपत्रिकेचे स्वरूप

वेळ: २.०० तास

|          |                                     |          |
|----------|-------------------------------------|----------|
| प्र.१ ला | दीर्घोत्तरी-गद्य (दोन पैकी एक)      | - १५ गुण |
| प्र.२ रा | दीर्घोत्तरी-पद्य (दोन पैकी एक)      | - १५ गुण |
| प्र.३ रा | लघूत्तरी-गद्य व पद्य (चार पैकी दोन) | - १० गुण |
| प्र.४ था | उपयोजित विभागावर (दोन पैकी एक)      | - १० गुण |
| एकूण     |                                     | - ५० गुण |

S-[F] NPW-02 June-2013-14 All Syllabus Arts Faculty B.A. Marathi Sem.-I &amp; II OK

- 20 -

**डॉ.बाबासाहेब आंबेडकर मराठवाडा विद्यापीठ,औरंगाबाद**

शैक्षणिक वर्ष जून २०१३-२०१४ पासून

विषय:मराठी बी.ए.प्रथम वर्ष (ऐच्छिक)

(अभ्यासपत्रिका क्र.१,२ व ३ साठी प्रश्नपत्रिकेचे स्वरूप) वेळ - २.०० तास

|          |                           |          |
|----------|---------------------------|----------|
| प्र.१ ला | दीर्घोत्तरी (दोन पैकी एक) | - १५ गुण |
| प्र.२ रा | दीर्घोत्तरी (दोन पैकी एक) | - १५ गुण |
| प्र.३ रा | लघूत्तरी (चार पैकी दोन)   | - १० गुण |
| प्र.४ था | टीपा लिहा (चार पैकी दोन)  | - १० गुण |
| एकूण     |                           | - ५० गुण |

S-[F] NPW-02 June-2013-14 All Syllabus Arts Faculty B.A. Marathi Sem.-I &amp; II OK

- 21 -

डॉ. बाबासाहेब आंबेडकर मराठवाडा विद्यापीठ, औरंगाबाद

शैक्षणिक वर्ष जून २०१३ -२०१४ पासून

विषय: मराठी बी.ए. प्रथम वर्ष (ऐच्छिक)

अभ्यासपत्रिका चौथी

मुद्रित माध्यमासाठी लेखन कौशल्य वेळ: २.०० तास

|          |                           |          |
|----------|---------------------------|----------|
| प्र.१ ला | दीर्घोत्तरी (दोन पैकी एक) | - १५ गुण |
| प्र.२ रा | दीर्घोत्तरी (दोन पैकी एक) | - १५ गुण |
| प्र.३ रा | लघूत्तरी (चार पैकी दोन)   | - १० गुण |
| प्र.४ था | टीपा द्या (चार पैकी दोन)  | - १० गुण |
|          | एकूण                      | - ५० गुण |

S-[F] NPW-02 June-2013-14 All Syllabus Arts Faculty B.A. Marathi Sem.-I &amp; II OK

- 22 -

**डॉ.बाबासाहेब आंबेडकर मराठवाडा विद्यापीठ,औरंगाबाद**

मराठी विषयाच्या अभ्यासक्रमाचा आराखडा

बी.ए./बी.एससी./बी.कॉम/बी.एस.डब्ल्यू प्रथम भाषा व बी.ए.प्रथम वर्ष ऐच्छिक

| पेपर कोड नं. | पेपर नं.             | पेपर शीर्षक                        | सत्र<br>परीक्षा | सत्र       |
|--------------|----------------------|------------------------------------|-----------------|------------|
| MAR-००१      | अभ्यास पत्रिका पहिली | गद्य-पद्य व उपयोजित मराठी          | ५०              | सत्र पहिले |
| MAR-००२      | अभ्यास पत्रिका दुसरी | गद्य-पद्य व उपयोजित मराठी          | ५०              | सत्र दुसरे |
| MAR-१०१      | अभ्यास पत्रिका पहिली | काव्यात्म साहित्य                  | ५०              | सत्र पहिले |
| MAR-१०२      | अभ्यास पत्रिका दुसरी | नाट्यात्म साहित्य                  | ५०              | सत्र पहिले |
| MAR-१०३      | अभ्यास पत्रिका तिसरी | कथात्म साहित्य                     | ५०              | सत्र दुसरे |
| MAR-१०४      | अभ्यास पत्रिका चौथी  | मुद्रित माध्यमासाठी लेखन<br>कौशल्य | ५०              | सत्र दुसरे |

*Signature*

*Signature*

डॉ.सदाशिव सरकटे

अध्यक्ष-मराठी अभ्यास मंडळ

डॉ.बाबासाहेब आंबेडकर मराठवाडा

विद्यापीठ,औरंगाबाद.

==\*\*==

S\*/-150513/-

==\*\*==

S-29 Nov., 2013 AC after Circulars from Circular No.55 &amp; onwards

- 43 -

**डॉ. बाबासाहेब आंबेडकर मराठवाडा विद्यापीठ, औरंगाबाद****परिपत्रक क्रमांक/एस.यु./कला/अभ्यासक्रम/७५/२०१४**

या परिपत्रकाद्वारे सर्व संबंधितांना सुचित करण्यात येते की, कला विद्याशाखेने शिफारस केल्यानुसार बी.ए., बी. एस्सी., बी.कॉम., बी.एस.डब्ल्यू., बी.एफ.ए., या मधील अनिवार्य, द्वितीय भाषा व ऐच्छिक तसेच एम. ए. हिंदी, इंग्रजी व संस्कृत द्वितीय वर्ष, तृतीय व चतुर्थ सत्र पध्दतीचे सुधारित अभ्यासक्रमास विद्यापरिषदेच्या वतीने मा. कुलगुरु यांनी, त्यांना प्राप्त असलेला विशेष अधिकार महाराष्ट्र विद्यापीठ अधिनियम-१९९४ कलम १४(७) अन्वये मान्यता दिलेली आहे. त्या अनुषंगाने सुधारीत तयार केलेल्या अभ्यासक्रमाच्या आकृतीबंधाची प्रत या परिपत्रकासोबत आपल्या पुढील कार्यवाहीसाठी पाठविण्यात येत आहे.

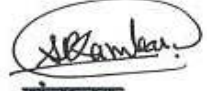
| अ.क्र. | सुधारीत अभ्यासक्रम                                                         | विषय                       | सत्र           |
|--------|----------------------------------------------------------------------------|----------------------------|----------------|
| १.     | बी.ए. बी. एस्सी. बी.कॉम. बी.एस.डब्ल्यू., अनिवार्य, द्वितीय भाषा व ऐच्छिक   | मराठी                      | तृतीय व चतुर्थ |
| २.     | बी.ए. बी. एस्सी. बी.कॉम. बी.एस.डब्ल्यू., अनिवार्य, द्वितीय भाषा व ऐच्छिक   | हिंदी                      | तृतीय व चतुर्थ |
| ३.     | एम.ए.                                                                      | हिंदी                      | तृतीय व चतुर्थ |
| ४.     | बी.ए. बी. एस्सी. बी.कॉम., बी.एस.डब्ल्यू., अनिवार्य, द्वितीय भाषा व ऐच्छिक  | इंग्रजी                    | तृतीय व चतुर्थ |
| ५.     | एम.ए.                                                                      | इंग्रजी                    | तृतीय व चतुर्थ |
| ६.     | बी.ए. बी. एस्सी. बी.कॉम., बी.एस.डब्ल्यू., अनिवार्य, द्वितीय भाषा व ऐच्छिक  | उर्दू, अरेबिक आणि पार्शियन | तृतीय व चतुर्थ |
| ७.     | बी.ए. बी. एस्सी. बी.कॉम., बी.एस.डब्ल्यू., अनिवार्य द्वितीय भाषा आणि ऐच्छिक | पाली आणि बुद्धीझम          | तृतीय व चतुर्थ |
| ८.     | बी.ए. बी. एस्सी. बी.कॉम. बी.एस.डब्ल्यू., अनिवार्य, द्वितीय भाषा व ऐच्छिक   | संस्कृत                    | तृतीय व चतुर्थ |
| ९.     | एम.ए.                                                                      | संस्कृत                    | तृतीय व चतुर्थ |

उपरोक्त सुधारीत केलेल्या अभ्यासक्रमाचा आराखडा शैक्षणिक वर्ष २०१४-१५ करिता मर्यादित असेल व विद्यापरिषदेच्या अंतिम मान्यतेनंतर हे परिपत्रक नियमित ठेवण्याबाबत या कार्यालयाद्वारे नवीन परिपत्रक पारीत करण्यात येईल. तसेच सुधारीत व नवीन तयार केलेल्या अभ्यासक्रमाच्या आराखड्याची प्रत विद्यापीठाच्या [1] [www.bamu.net](http://www.bamu.net), [2] [www.affiliation.oasisbamu.org](http://www.affiliation.oasisbamu.org) या संकेतस्थळावर उपलब्ध आहे.

करिता, या परिपत्रकाची सर्व संबंधितांनी नोंद घ्यावी.

विद्यापीठ प्रांगण,  
औरंगाबाद-४३१ ००४.  
संदर्भ क्र.एस.यु./कला/जे.एल.के. /२०१३-१४/  
७२९१-७६९०  
दिनांक :- ०२-०६-२०१४.

}}  
}}  
}}  
}}  
}}  
}}  
\*\*\*\*

  
**संचालक,**  
महाविद्यालये व विद्यापीठ  
विकास मंडळ.

S-29 Nov., 2013 AC after Circulars from Circular No.55 & onwards

- 44 -

--2--

या परिपत्रकाची एक प्रत :-

- १) मा. परिक्षा नियंत्रक, परिक्षा विभाग,
  - २) मा. प्राचार्य, सर्व संलग्नीत महाविद्यालये,
  - ३) संचालक, युनिक यांना विनंती करण्यात येते की, सदरील अभ्यासक्रम विद्यापीठाच्या संकेतस्थळावर उपलब्ध करुण देण्यात यावेत.
  - ४) संचालक, ई-सुविधा केंद्र, विद्यापीठ परिसर,
  - ५) जनसंपर्क अधिकारी, मुख्य प्रशासकीय इमारत,
  - ६) कक्ष अधिकारी, पात्रता विभाग, मुख्य प्रशासकीय इमारत,
  - ७) कक्ष अधिकारी, बी.ए.,एम.ए. विभाग, परीक्षा भवन,
  - ८) अभिलेख विभाग, मुख्य प्रशासकीय इमारती मागे,
- डॉ. बाबासाहेब आंबेडकर मराठवाडा विद्यापीठ, औरंगाबाद.

--\*\*--

**DR. BABASAHEB AMBEDKAR MARATHWADA  
UNIVERSITY, AURANGABAD.**



**Syllabus of  
B.Com.Second Year [ First Language]  
MARATHI**

**Semester- III & IV**

**(Effective from June 2014 & onwards)**

**डॉ.सरकटे सदाशिव हरिभाऊ**

**अध्यक्ष**

**मराठी अभ्यास मंडळ,**

**डॉ.बाबासाहेब आंबेडकर मराठवाडा विद्यापीठ,**

**औरंगाबाद .**

**डॉ. बाबासाहेब आंबेडकर मराठवाडा विद्यापीठ, औरंगाबाद**

**बी.कॉम द्वितीय वर्ष - मराठी (प्रथम भाषा)**

**सत्र पध्दतीनुसार अभ्यासक्रम**

**जून २०१४ पासून लागू**

**डॉ. बाबासाहेब आंबेडकर मराठवाडा विद्यापीठ, औरंगाबाद**

सत्र पध्दतीनुसार अभ्यासक्रम

बी.कॉम.द्वितीय वर्ष प्रथम भाषा मराठी अभ्यासक्रमाकरिता

शैक्षणिक वर्ष जून २०१४ पासून लागू

वाणिज्य व्यवहार, व्यवसाय आणि मराठी भाषा

**अभ्यासक्रमाची उद्दिष्ट्ये :**

- १) बी.कॉम. द्वितीय वर्षाच्या मराठी विषयाचे अध्ययन करण्याच्या विद्यार्थ्यांना वाणिज्य व्यवसायात मराठी भाषेचे आकलन करून देणे.
- २) मराठी भाषेचा कार्यालयीन, व्यावसायिक कामकाजात होणारा वापर, गरज व स्वरूप विशेषांची माहिती करून देणे.
- ३) वाचन संस्कृतीच्या माध्यमातून व्यवसायाला पूरक आणि मूलभूत सहाय्य करणे
- ४) कार्यालयीन / व्यावसायिक भाषा व्यवहारासाठी आवश्यक लेखन कौशल्याचे उपयोजन करणे.
- ५) व्यावसायाच्या माध्यमातून मराठी भाषेला स्थान मिळवून देणे.

**डॉ. बाबासाहेब आंबेडकर मराठवाडा विद्यापीठ, औरंगाबाद**

सत्र पध्दतीनुसार अभ्यासक्रम

बी.कॉम.द्वितीय वर्ष प्रथम भाषा मराठी अभ्यासक्रमाकरिता

अभ्यासपत्रिकेचे नाव : मराठी भाषा आणि वाणिज्य व्यवहार

सत्र - पहिले

तासिका : ६०

कोड नं.MAR - C-०१

गुण ५०

**घटक विश्लेषण :**

**घटक क्र.०१ : भाषा आणि भाषा शिक्षण**

भाषा म्हणजे काय ?

भाषेचे स्वरूप

भाषेचे कार्य

भाषेची विविध रूपे

**घटक क्र.०२ : व्यापार व्यवहारात वाचन संस्कृतीचे महत्व**

ग्रंथ निर्मिती

ग्रंथालय चळवळ

प्रकाशन संस्था

सार्वजनिक वाचनालये

**घटक क्र.०३ : पत्रलेखन : तंत्र, स्वरूप व मायने**

व्यावसायिक पत्रव्यवहार

कार्यालयीन पत्रव्यवहार

वाणिज्यविषयक पत्रव्यवहार

घटक क्र.०४ : जागतिकीकरणात मराठी भाषेचे महत्त्व

मराठी भाषा आणि हिंदी भाषा

मराठी भाषा आणि इंग्रजी भाषा

मराठी भाषा आणि इतर भाषा

घटक क्र.०५ : निबंध लेखन

निबंध : अर्थ व स्वरूप

निबंध : व्यावसायिक , आर्थिक विषयावर निबंधलेखन

डॉ. बाबासाहेब आंबेडकर मराठवाडा विद्यापीठ, औरंगाबाद

सत्र पध्दतीनुसार अभ्यासक्रम

बी.कॉम.द्वितीय वर्ष प्रथम भाषा मराठी अभ्यासक्रमाकरिता

अभ्यासपत्रिकेचे नाव : व्यावसायिक मराठी आणि वाणिज्य व्यापार

सत्र - दुसरे

कोड नं.MAR - C- ०२

गुण ५०

घटक विश्लेषण :

तासिका : ६०

घटक क्र.०१ : कार्यालयीन लेखन तंत्र

कार्यालयीन लेखन तंत्र

कार्यालयीन लेखन तंत्र : स्वरूप व उपयोजन

सभेच्या कामकाजा संबंधीचे लेखन

अर्जलेखन, इतिवृत्त, निविदा, माहितीपत्रक, टिपणी लेखन

घटक क्र.०२ : अनुवाद तंत्र स्वरूप, प्रकार आणि उपयोजन

अनुवाद : व्याख्या व स्वरूप

कार्यालयीन अनुवाद

वाणिज्यीक अनुवाद

कायदेविषयक अनुवाद

पारिभाषिक शब्दांचा अनुवाद

\* घटक क्र.०३ : वाणिज्य व्यवसाय व माध्यम

जनसंपर्क माध्यम : व्याख्या व स्वरूप

जनसंपर्क माध्यमाची विविध रूपे

वाणिज्य व्यवसायात प्रसार माध्यमाची भूमिका

जाहिरात मसुदा लेखन

जाहिरातीचे विविध घटक

आकाशवाणी व दूरचित्रवाणीवरील जाहिरात

\* घटक क्र.०४ : वाणिज्य व व्यापाराची सहाय्यभूत साधने

व्यापाराची व्याख्या व स्वरूप

व्यापार व्यवहारातील कार्यपद्धती

\* घटक क्र. ०५ : व्यापाराला मदत करणारी साधने

बँका, विमा, वाहतूक, बाजारपेठ, जाहिरात, व्यापार व्यवहारातील कार्यालये

  
डॉ.सरकटे सदाशिव हरिभाऊ  
अध्यक्ष

मराठी अभ्यास मंडळ,  
डॉ.बाबासाहेब आंबेडकर मराठवाडा विद्यापीठ,  
औरंगाबाद .

## डॉ.बाबासाहेब आंबेडकर मराठवाडा विद्यापीठ,औरंगाबाद

बी. कॉम. प्रथम वर्ष मराठी अभ्यासक्रमाकरिता

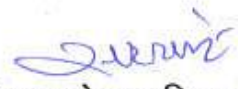
शैक्षणिक वर्ष जून २०१४ पासून लागू

वाणिज्य व्यवहार, व्यवसाय आणि मराठी भाषा ( सत्र पहिले )

व्यावसायिक मराठी आणि वाणिज्य व्यापार ( सत्र दुसरे )

प्रश्नपत्रिकेचे स्वरूप

|           |                           |          |
|-----------|---------------------------|----------|
| प्र.१ ला  | दीर्घोत्तरी (दोन पैकी एक) | - १५ गुण |
| प्र.२ रा. | दीर्घोत्तरी (दोन पैकी एक) | - १५ गुण |
| प्र.२ रा  | लघुत्तरी (चार पैकी दोन)   | - १० गुण |
| प्र.५ वा  | टीपा द्या (चार पैकी दोन)  | - १० गुण |
| एकूण      |                           | - ५० गुण |

  
डॉ.सरकटे सदाशिव हरिभाऊ  
अध्यक्ष

मराठी अभ्यास मंडळ,  
डॉ.बाबासाहेब आंबेडकर मराठवाडा विद्यापीठ,  
औरंगाबाद .

DR. BABASAHEB AMBEDKAR MARATHWADA

UNIVERSITY, AURANGABAD.

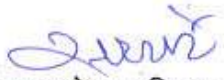


Syllabus of

B.A./B.SC./B.F.A/B.S.W. Second Year Marathi (First Language)

Semester- III & IV

(Effective from June 2014 & onwards)

  
डॉ.सरकटे सदाशिव हरिभाऊ  
अध्यक्ष

मराठी अभ्यास मंडळ,  
डॉ.बाबासाहेब आंबेडकर मराठवाडा विद्यापीठ,  
औरंगाबाद .

## डॉ. बाबासाहेब आंबेडकर मराठवाडा विद्यापीठ, औरंगाबाद

बी.ए./ बी.एस्सी./बी.एस.डब्ल्यू

द्वितीय वर्ष मराठी (प्रथम भाषा) (सत्र तिसरे व सत्र चौथे)

कोड नं. MAR ००३ व MAR ००४

अभ्यासपत्रिका गद्य - पद्य व उपयोजित मराठी

संपादक मंडळ

मराठी अभ्यास मंडळ

डॉ. बाबासाहेब आंबेडकर मराठवाडा विद्यापीठ, औरंगाबाद

| अ.क्र. | नांव                                | पद      |
|--------|-------------------------------------|---------|
| ०१     | डॉ.सरकटे सदाशिव हरिभाऊ              | अध्यक्ष |
| ०२     | डॉ.हंडीबाग भारत सोपानराव            | सदस्य   |
| ०३     | डॉ. बडवे सतिश                       | सदस्य   |
| ०४     | डॉ. धोंडगे मुंजा बाबूराव            | सदस्य   |
| ०५     | डॉ. पाटगणकर विद्यासागर जनादर्ण      | सदस्य   |
| ०६     | डॉ. शिंदे संजय दासू                 | सदस्य   |
| ०७     | डॉ. सोलापूरे सिंधू                  | सदस्य   |
| ०८     | डॉ. नळगे राजशेखर शरणप्पा            | सदस्य   |
| ०९     | प्राचार्य डॉ. बिरादार वसंत माणिकराव | सदस्य   |
| १०     | डॉ. सार्वेकर कैलास नारायण           | सदस्य   |

डॉ. बाबासाहेब आंबेडकर मराठवाडा विद्यापीठ, औरंगाबाद

बी.ए./बी.एस्सी./बी.एस.डब्ल्यू.

द्वितीय वर्ष प्रथम भाषा अभ्यासक्रमाकरिता

शैक्षणिक वर्ष जून २०१४ पासून लागू

गद्य - पद्य व उपयोजित मराठी

अभ्यासक्रमाची उद्दिष्ट्ये :

- १) बी.ए. द्वितीय वर्षाच्या विद्यार्थ्यांना मराठी विषयाचे अध्ययन करण्यासाठी मराठी साहित्यातील विविध प्रवाह आणि प्रकार लक्षात आणून देणे, लेखक कवीचे व्यक्तिमत्त्व त्यांच्या साहित्यातील आशय अभिव्यक्तीचा परिचय करून देणे.
- २) एकूणच मराठी साहित्याची आवड निर्माण करणे व आस्वाद घेण्याची क्षमता विकसित करणे.
- ३) साहित्याभ्यासातून जीवन जगण्याची कला विकसीत करणे, समाजाकडे डोळसपणे पाहता येण्याची क्षमता विकसीत करणे.
- ४) व्यवहार , विज्ञान, कार्यालयीन व वाङ्मयीन परिभाषेचे आकलन करता येणे.
- ५) विविध प्रसार माध्यमांची ओळख करून देणे.
- ६) माहिती तंत्रज्ञानाचा परिचय करून देणे.

घटक विश्लेषण (गद्य -पद्य व उपयोजित मराठी ) :

- १) अभ्यासक्रमात समाविष्ट करण्यात आलेल्या पाठाचे लेखक व कवींचा परिचय करून देणे.
- २) पाठातील आशय समजावून घेणे.
- ३) पाठ आणि कवितेतील समाजिक मूल्ये, लोकशाही मूल्ये, औद्योगिक अनुभव, साहित्यिक मूल्ये, सांस्कृतिक मूल्ये यांचे आकलन करून घेणे.
- ४) विद्यार्थ्यांना व्यवहार ज्ञानाचे आकलन व्हावे व उपयोग करता यावा, नैसर्गिक संपत्तीचे संरक्षण करता यावे व तंत्रज्ञानाचा व्यवहारात उपयोग करता यावा यासाठी उपयोजित मराठी या घटकातील मुद्द्यांचा अभ्यास करणे.
- ५) वाचन संस्कृती वृद्धिंगत होण्यासाठी विविध वाङ्मय प्रकारातील ग्रंथांचा परिचय करून देणे.

डॉ. बाबासाहेब आंबेडकर मराठवाडा विद्यापीठ, औरंगाबाद

बी.ए./बी.एस्सी./बी.एस.डब्ल्यू

द्वितीय वर्ष प्रथम भाषा अभ्यासक्रमाकरिता

संपादक

मराठी अभ्यास मंडळ

डॉ. बाबासाहेब आंबेडकर मराठवाडा विद्यापीठ, औरंगाबाद

शैक्षणिक वर्ष जून २०१४ पासून लागू

सत्र पहिले

कोड नं. MAR - ०३

गुण : ५०

अभ्यासपत्रिका ३ री गद्य - पद्य उपयोजित मराठी

घटक क्र. १

गद्य विभाग

तासिका - २०

पाठाचे नाव

लेखक

- |                                                |                       |
|------------------------------------------------|-----------------------|
| १) छत्रपती शिवाजी महाराजांच्या कार्याचे स्वरूप | प्र.न. देशपांडे       |
| २) लोकसंस्कृती आणि जागतिकीकरण                  | डॉ.द.ता. भोसले        |
| ३) मरणानं डाव साधला, नशिवानं हात दिला !        | सौ. सिंधूताई सपकाळ    |
| ४) लोकराजे मा.खा. पवार साहेब                   | प्रा. लक्ष्मण ढोबळे   |
| ५) वही                                         | सुरेश पाटील (इर्लेकर) |

घटक क्र. २

पद्य विभाग

तासिका - २०

कविता

कवी

- |                               |                  |
|-------------------------------|------------------|
| १) निष्कर्ष                   | सुहासिनी इर्लेकर |
| २) आकाशाएवढा                  | सदानंद सिनगारे   |
| ३) साऱ्या घरालाच लागली वाळवी  | प्रदीप पाटील     |
| ४) कुणबी माझा !               | अनिल गव्हाणे     |
| ५) बीरसा                      | बाबाराव मडावी    |
| ६) अरुंद दारातून बाहेर पडताना | संजीवनी तडेगावकर |

## उपयोजित मराठी

तासिका - २०

## घटक क्र. ३

## १) परिभाषा : तंत्र , स्वरूप व उपयोजन

परिभाषेचे स्वरूप व वैशिष्ट्ये, परिभाषेची आवश्यकता, शासन व्यवहारातील परिभाषा, विज्ञानाची परिभाषा, कार्यालयीन परिभाषा, वाङ्मयीन परिभाषा इ. चा परिचय व उपयोजन

## २) आकाशवाणी प्रसार माध्यम : लेखनतंत्र व उपयोजन

आकाशवाणी श्राव्य प्रसार माध्यम - स्वरूप, आकाशवाणी या प्रसार माध्यमाचे घटक, परिचय(कार्यक्रम) बातमी, श्रुतिका, नभोनाट्य, संवाद, भाषण, मुलाखत इ.

आकाशवाणीचा प्रभाव - ज्ञान व विज्ञानाद्वारे संसंस्कार, लोकप्रबोधन, बातम्यांचा प्रसार, मनोरंजन, नैसर्गिक संकटाची पूर्वकल्पना , विविध सूचना

## ३) पुस्तक परिचय : तंत्र व स्वरूप

वाङ्मयलेखन प्रकारांचा परिचय

उदा. कथा, कादंबरी, कविता, चरित्र, आत्मचरित्र , निबंध इ.

वाङ्मयेत्तर लेखन प्रकारांचा परिचय

उदा. सामाजिकशास्त्रे, विज्ञान, वाणिज्य विषयक, विधीविषयक

## ४) जलनियोजन : तंत्र व स्वरूप

जलनियोजनाचे महत्त्व, जलनियोजन धरणे आणि शेती, धरणातील जलनियोजन , शेतीसाठी जलनियोजन.(झीप), पिण्यासाठी जलनियोजन

## डॉ. बाबासाहेब आंबेडकर मराठवाडा विद्यापीठ, औरंगाबाद

बी.ए./बी.एस्सी./बी.एस.डब्ल्यू.

द्वितीय वर्ष मराठी (प्रथम भाषा) अभ्यासक्रमाकरिता

शैक्षणिक वर्ष जून २०१४ पासून लागू

सत्र दुसरे

कोड नं. MAR - ०४

गुण : ५०

अभ्यासपत्रिका ४ थी - गद्य - पद्य व उपयोजित मराठी तासिका - २०

घटक क्र. १ गद्य विभाग

| पाठाचे नाव  | लेखक                 |
|-------------|----------------------|
| १) चिपाड    | अंबादास केदार        |
| २) मिरगीपेर | विजय जावळे           |
| ३) काहूर    | अंजली भयवाल, धानोरकर |
| ४) गायरान   | एकनाथ खिल्लारे       |
| ५) भूक      | उमेश मोहिते          |

घटक २

तासिका २०

| कविता                      | कवी                 |
|----------------------------|---------------------|
| १) गर्भाशयात असताना        | म.मो. जोशी          |
| २) आबा                     | शिवाजी मारुती पाटील |
| ३) पाचटाच्या मुलुखाले .... | कल्पना दुधाळ        |
| ४) जागलं                   | शिवाजी मरगीळ        |
| ५) कळसूत्री बाहूली         | भारती रेवडकर        |
| ६) हशोब चुकता करा          | वि.सो. वराट         |

### उपयोजित मराठी

घटक क्र. ३

तासिका - २०

१) संगणक क्षेत्रातील संकल्पना : स्थूल परिचय

सॉफ्टवेअर , हार्डवेअर, विंडोज, फाईल, फोल्डर, डाटा, संगणकाची कौशल्य, भारतीय समाजावरील संगणकाचा प्रभाव

२) संगणकाची वैशिष्ट्ये -

अचूक काम , प्रचंड वेग, कामाची सलगता, माहितीचे संक्रमण व सादरीकरण, कामाची विविधता, स्वविचारक्षमता नाही

३) मराठी समाजावरील संगणकाचा प्रभाव

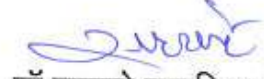
सामाजिक धोरणाचे मार्गदर्शन, नैसर्गिक आपत्तीचे पूर्वकथन, लोकसंख्याबद्दलचे मार्गदर्शन, निवडणूक व मतदान क्षेत्र, हवामानाचा अंदाज, वैज्ञानिक संशोधन, साहित्य क्षेत्रातील उपयोग, अंतराळ संशोधनाचे नियोजन

४) इंटरनेट : स्वरूप आणि कार्यप्रणाली

इंटरनेट : अर्थ आणि व्याख्या, वेबसाईट, ई- मेल, चॅट, सर्चिंग, ब्राऊझिंग, अकाऊंट, इंटरनेटचा भारतीय समाजावरील प्रभाव - सामाजिक परिवर्तन, हवामानाचा अंदाज, सेवा उद्योग, संपर्क साधने , संदेशाची सुलभता, व्यापारातील वाढ.

उपयोजित मराठी या विभागासाठी संदर्भ ग्रंथ

- |                                 |                                                   |
|---------------------------------|---------------------------------------------------|
| १) रेडिओवरील भाषणे आणि श्रुतिका | पु.ल. देशपांडे                                    |
| २) संगणक परिचय                  | नंदकिशोर दायमा                                    |
| ३) संगणक संकल्पना               | नंदकिशोर दायमा ( विद्या प्रकाशन पुणे)             |
| ४) माहिती व तंत्रज्ञान मराठी    | शिक्षक हस्तपुस्तिका ,<br>म.रा.मा.व उ.मा.मं. नाशिक |
| ५) संगणक                        | विवेक म्हेत्रे                                    |
| ६) इंटरनेट तुमचा दोस्त          | विवेक म्हेत्रे                                    |
| ७) संगणक तुम्हा आम्हा साठी      | पद्मा पाटील                                       |



डॉ. सरकटे सदाशिव हरिभाऊ  
अध्यक्ष

मराठी अभ्यास मंडळ,  
डॉ. बाबासाहेब आंबेडकर मराठवाडा विद्यापीठ,  
औरंगाबाद .

**डॉ.बाबासाहेब आंबेडकर मराठवाडा विद्यापीठ,औरंगाबाद**

**बी. ए. / बी. कॉम. / बी. एस्सी./बी.एस.डब्ल्यू.**

**द्वितीय वर्ष मराठी अभ्यासक्रमाकरिता**

**शैक्षणिक वर्ष जून २०१४ पासून लागू**

**गद्य-पद्य व उपयोजित मराठीसाठी**

**प्रश्नपत्रिकेचे स्वरूप**

**वेळ : २.०० तास**

|             |                                            |                 |
|-------------|--------------------------------------------|-----------------|
| प्र.१ ला    | दीर्घोत्तरी-गद्य (दोन पैकी एक)             | - १५ गुण        |
| प्र.२ रा    | दीर्घोत्तरी-पद्य (दोन पैकी एक)             | - १५ गुण        |
| प्र.३ रा    | लघुत्तरी-गद्य व पद्य (चार पैकी दोन)        | - १० गुण        |
| प्र.४ था    | उपयोजित विभागावर-दीर्घोत्तरी (दोन पैकी एक) | - १० गुण        |
| <b>एकूण</b> |                                            | <b>- ५० गुण</b> |

**DR. BABASAHEB AMBEDKAR MARATHWADA  
UNIVERSITY, AURANGABAD.**



**Syllabus of  
Marathi ( Optional)  
B.A. Second Year  
Semester- V to VIII**

**(Effective from June 2014 & onwards)**

  
डॉ. सरकटे सदाशिव हरिभाऊ  
अध्यक्ष  
मराठी अभ्यास मंडळ,  
डॉ. बाबासाहेब आंबेडकर मराठवाडा विद्यापीठ,  
औरंगाबाद .

**डॉ. बाबासाहेब आंबेडकर मराठवाडा विद्यापीठ, औरंगाबाद**

सत्र पध्दतीनुसार अभ्यासक्रम

शैक्षणिक वर्ष जून २०१४ पासून लागू

अभ्यास पत्रिका पाचवी

आधुनिक मराठी वाङ्मयाचा इतिहास

( इ.स. १८०० ते इ.स.१९२०)

**अभ्यासक्रमाची उद्दिष्टे :**

- १) इ.स. १८०० नंतरच्या वाङ्मयाचा इतिहासाचा सर्वांगीन अभ्यास करणे.
- २) इ.स.१८०० ते इ.स. १८७४ या कालखंडाची सामाजिक व सांस्कृतिक पार्श्वभूमी,विचार प्रणाली, सामाजिक चळवळी यांचा वाङ्मयावरील प्रभावाचा अभ्यास करणे.
- ३) इ.स.१८०० ते इ.स. १९२० या कालखंडातील वाङ्मय निर्मितीची पार्श्वभूमी,तिच्या प्रेरणा,प्रवृत्ती प्रवाह, महत्वाचे ग्रंथकार व त्यांच्या साहित्यकृती या अनुषंगाने अभ्यास करणे.
- ४) भाषांतरीत वाङ्मय,नियतकालिके,निबंधमाला,वैचारिक व ललित निबंध,कथा, कादंबरी,नाटक, काव्य, चरित्र आणि आत्मचरित्र या वाङ्मय प्रकारातील ठळक ग्रंथकार व त्यांच्या वाङ्मयकृतींचा स्थूल अभ्यास करणे इत्यादी.

डॉ.बाबासाहेब आंबेडकर मराठवाडा विद्यापीठ औरंगाबाद

शैक्षणिक वर्ष जून - २०१४ पासून लागू

विषय - बी.ए.मराठी द्वितीय वर्ष (ऐच्छिक) कोड.नं. MAR -१०५

आधुनिक मराठी वाङ्मयाचा इतिहास ( इ.स. १८०० ते इ.स.१९२०)

अभ्यास पत्रिका पाचवी

सत्र पहिले

घटक: १ - इ.स. १८०० ते इ.स. १८७४ या कालखंडाची सामाजिक व सांस्कृतिक पार्श्वभूमी

- १.१ संस्कृतीची संकल्पना व स्वरूप
- १.२ संस्कृती आणि इतिहास
- १.३ संस्कृती आणि साहित्य अंतःसंबंध
- १.४ साहित्य आणि सामाजिक दृष्टी
- १.५ मुद्रणकलेचा उदय
- १.६ शाळा पुस्तक मंडळी व ख्रिस्ती मिशनऱ्यांची पुस्तके
- १.७ धार्मिक प्रबोधनाच्या चळवळी
- १.८ नियतकालिकांचा उदय

घटक : २ - निबंध,स्वरूप,विशेष

- २.१ लोकहितवादींची 'शतपत्रे' १८०० ते १८७४
- २.२ महात्मा फुलेंचे लेखन
- २.३ 'निबंधमाला' - इ.स.१८७४ ते इ.स.१९२०

घटक : ३ - कथा - वाङ्मयाचे स्वरूप , विशेष

- ३.१ कथा वाङ्मयाच्या प्रारंभाचे स्वरूप
- ३.२ अव्वल इंग्रजी कालखंड
- ३.३ 'करमणूक' कालखंड

**घटक : ४ - कादंबरी वाङ्मयाचे स्वरूप, विशेष**

४.१ इ.स. १८५७ ते इ.स.१८८५ या काळातील कादंबरी

४.२ इ.स. १८८५ ते इ.स. १९२० या काळातील कादंबरी

**संदर्भ ग्रंथ -**

- १) मराठी साहित्याची सांस्कृतिक पार्श्वभूमी - गो.म.कुलकर्णी
- २) महाराष्ट्राचा सांस्कृतिक इतिहास - शं.दा.पेंडसे
- ३) साहित्य, समाज, आणि संस्कृती - दिगंबर पाध्ये
- ४) आधुनिक मराठी वाङ्मयाचा इतिहास ( भाग पहिला व दुसरा ) - डॉ.अ.ना.देशपांडे
- ५) मराठी वाङ्मयाचा इतिहास (खंड ४ व ५ ) - रा.श्री. जोग
- ६) मराठी वाङ्मयाचा इतिहास ( खंड १ ते ४ ) - साहित्य परिषद पुणे
- ७) प्रदक्षिणा (भाग पहिला व दुसरा ) - कॉन्टिनेंटल प्रकाशन
- ८) अर्वाचीन मराठी गद्याची पूर्वपीठिका - गं. बा. सरदार
- ९) मराठी कथा उगम आणि विकास - इंदूमती शेवडे
- १०) मराठी कादंबरीचे पहिले शतक - कुसुमावती देशपांडे
- ११) भारतीय संस्कृती - साने गुरुजी
- १२) मराठी निबंध : उद्गम आणि विकास - गिरीश मोरे
- १३) मराठी कादंबरीचा इतिहास - चंद्रकांत बांदिवडेकर
- १४) धार आणि काठ - नरहर कुरुंदकर
- १५) साहित्य आणि संदर्भ - अंजली सोमन
- १६) मराठी वृत्तपत्राचा इतिहास - वा.के. लेले
- १७) आधुनिक मराठी वाङ्मयाचा इतिहास (संपादक) डॉ.भारत हंडीबाग.

डॉ.बाबासाहेब आंबेडकर मराठवाडा विद्यापिठ,औरंगाबाद.

शैक्षणिक वर्ष जून २०१४ पासून लागू

विषय- मराठी बी.ए.द्वितीय वर्ष (ऐच्छिक)

कोड नं MAR-१०६

अभ्यास पत्रिकेचे नाव - दृक-श्राव्य माध्यमांसाठी लेखन कौशल्ये

अभ्यासपत्रिका-सहावी

गुण :५०

तासिका-६०

अभ्यासक्रमाची उद्दिष्ट्ये :

- १) दृक-श्राव्य माध्यमांसाठी लेखन कौशल्याचा अभ्यास करणे.
- २) इलेक्ट्रॉनिक मिडीयाने अवघे विश्वच पादाक्रांत केले आहे.संपूर्ण जगातील माहिती नभोवाणी,दूरचित्रवाहिन्या आणि संगणकाद्वारे आपल्या घरा-दारात पोहचत आहेत.त्या विषयीचा अभ्यास करणे.
- ३) बातम्या,मुलाखती,रूपक,विविध मालिका,फॅशन शो, सिनेमा यांमुळे नवनवीन गोष्टीचे अकलन अभ्यासाद्वारे करणे.
- ४) नभोवाणिविषयक लेखन कौशल्यांचा अभ्यास करणे.
- ५) दूरचित्रवाणिविषयक लेखन कौशल्यांचा अभ्यास करणे.
- ६) संप्रेषणाची प्रगती,बोलीभाषेचे महत्व काय आहे हे अभ्यासाद्वारे सांगता येईल.
- ७) नभोवाणिवरील भाषण व सभेतील भाषण यांतील फरकाचा अभ्यास करणे.
- ८) नभोवाणी चर्चेतील सहभागी व्यक्ती व सूत्रधार यांच्या जबाबदाऱ्या कोणत्या त्यांचा अभ्यास करणे.
- ९) नभोवाणिवरील बातम्यांचे स्वरूप व त्यांची वैशिष्ट्ये स्पष्ट करता येणे.
- १०) नभोवाणिवरील बातम्या व वृत्तपत्रातील बातम्या यांतील फरकाचा अभ्यास करणे.
- ११) रूपकामध्ये नाटक,भाषण,मुलाखत,चर्चा,कविता,गीत,संगीत,निवेदन या आकाशवाणि-वरून प्रसारीत होणाऱ्या इतर कार्यक्रम समावेशाचा अभ्यास करणे.

- १२) रूपक आणि नाटक यातील फरकाचा अभ्यास करणे.
- १३) नभोनाट्याची बांधणीकरताना मध्यवर्ती कल्पना, कथा, पात्रांचे संवाद, स्वभाव रेखाटन, ध्वनिसंकेत आणि संगीत यांचा विचार कसा करावा हे सांगण्याचा अभ्यास करणे.
- १४) नभोनाट्य आणि श्रुतिका यांतील फरक स्पष्ट करता येईल.
- १५) नभोवाणीवरील जाहिरात लेखनाचा हेतू व त्यांचे तंत्र अभ्यासणे.
- १६) परिसंवाद स्वरूप, वेगळेपण आणि त्यांचे तंत्र अभ्यासणे.
- १७) दूरचित्रवाणी लेखनाची उद्दीष्टे व प्रकार कसे निश्चित करायचे याची माहिती सांगण्याचा अभ्यास करणे.
- १८) दूरचित्रवाणी संहितेची भाषा कशी असायला हवी व संहितालेखनाचे तंत्र कोणते हे स्पष्ट सांगणे.
- १९) दृक्-श्राव्य रूपात कार्यक्रमाची निर्मिती कशी होते, याची माहिती देणे.
- २०) दूरचित्रवाणीवरील बातमीपत्रांचे स्वरूप स्पष्ट करून सांगण्याचा अभ्यास करणे.
- २१) दूरचित्रवाणीवरील बातमीपत्रांचे संपादन व लेखन कसे करावे हे स्पष्ट करण्याचा अभ्यास करणे.
- २२) दृक्-श्राव्य रूपात कार्यक्रमाची निर्मिती कशी होते, याची कल्पना स्पष्ट करण्याचा अभ्यास करणे.

डॉ.बाबासाहेब आंबेडकर मराठवाडा विद्यापिठ,औरंगाबाद.

शैक्षणिक वर्ष जून २०१४ पासून

विषय- मराठी बी.ए.द्वितीय वर्ष (ऐच्छिक)

कोड नं MAR-१०६

गुण : ५०

अभ्यास पत्रिकेचे नाव - दृक-श्राव्य माध्यमांसाठी लेखन कौशल्ये

अभ्यासपत्रिका-सहावी

तासिका-६०

सत्र पहिले

**घटक- १ नभोवाणी**

- १.१ नभोवाणी स्वरूप आणि कार्य.
- १.२ नभोवाणी संप्रषण.
- १.३ नभोवाणिवरील भाषण,चर्चा व मुलाखत
- १.४ नभोवाणिवरील बातमीपत्रे
- १.५ रूपक,श्रुतिका आणि नभोनाट्य
- १.६ नभोवाणीच्या जाहिराती

**घटक- २ दूरचित्रवाणी**

- २.१ दूरचित्रवाणी स्वरूप कार्य व विस्तार
- २.२ दूरचित्रवाणी लेखन व निर्मिती
- २.३ दूरचित्रवाणी कार्यक्रमांचे प्रकार
- २.४ दूरचित्रवाणिवरील बातम्या

**घटक- ३ संकेत स्थळ**

- ३.१ संकेत स्थळ संकल्पना आणि उपयोजन
- ३.२ संकेतस्थळाचा परीचय
- ३.३ संकेत स्थळावर साहित्यविषयक घडामोडी
- ३.४ ई-डिक्सनरी,विश्वकोष

## संदर्भ ग्रंथ :

- १) बोलू ऐसे बोल - लिलावती भागवत
- २) नभोवाणी कार्यक्रम तंत्र आणि मंत्र - पुष्पा काणे ( इंडिया बुक कंपनी,पुणे- ३०)
- ३) विसावे शतक आणि विज्ञान - निरंजन घाटे
- ४) आकाशवाणी आणि मार्कोनी संबंधीची नोंद पहावी - विश्वकोश खंड -१
- ५) संगणक परिचय नंदकिशोर दायमा
- ६) संगणक संकल्पना नंदकिशोर दायमा  
( विद्या प्रकाशन पुणे)
- ७) माहिती व तंत्रज्ञान मराठी शिक्षक हस्तपुस्तिका  
म.रा.मा.व उ.मा.मं. नाशिक
- ८) संगणक विवेक म्हेत्रे
- ९) इंटरनेट तुमचा दोस्त विवेक म्हेत्रे
- १०) संगणक तुम्हा आम्हा साठी पद्मा पाटील

डॉ.बाबासाहेब आंबेडकर मराठवाडा विद्यापीठ औरंगाबाद

शैक्षणिक वर्ष जून - २०१४ पासून

विषय - मराठी, बी.ए.द्वितीय वर्ष (ऐच्छिक) कोड.नं. MAR -१०७

आधुनिक मराठी वाङ्मयाचा इतिहास ( इ.स. १८०० ते इ.स.१९२०)

अभ्यास पत्रिका सातवी

सत्र दुसरे

घटक १ : नाट्य वाङ्मयाचे स्वरूप , विशेष

- १.१ नाटकाची भारतीय परंपरा व विकास
- १.२ मराठी रंगभूमीचा उदय
- १.३ संगीत नाटकांचा मानदंड : अण्णासाहेब किर्लोस्कर
- १.४ इ.स.१८८५ ते इ.स.१९२० या कालखंडातील नाट्यवाङ्मय

घटक २ : काव्य वाङ्मयाचे स्वरूप, विशेष

- २.१ प्रारंभीची भाषांतरित कविता
- २.२ केशवसुत व समकालीन कवी

घटक ३ : चरित्र - आत्मचरित्र वाङ्मयाचे स्वरूप विशेष

- ३.१ इ.स. १८०० ते इ.स. १९२० या कालखंडातील चरित्र
- ३.२ इ.स. १८०० ते इ.स. १९२० या कालखंडातील आत्मचरित्र

## संदर्भ ग्रंथ :

- |                                             |                            |
|---------------------------------------------|----------------------------|
| १) स्त्री सुधारणा विषयक मराठी नाट्यलेखन     | - मृणालिनी शहा.            |
| २) मराठी कविता                              | - निशिकांत ठकार            |
| ३) आधुनिक मराठी कविता                       | - रा.श्री.जोग              |
| ४) आधुनिक मराठी कविता                       | - भ.श्री. पंडित            |
| ५) मराठी फार्स                              | - भीमराव कुलकर्णी          |
| ६) आधुनिक मराठी काव्याचे अंतःप्रवाह         | - वा.भा. पाठक              |
| ७) मराठी रंगभूमीचा इतिहास भाग एक            | - प्रा. श्री.ना.बनहट्टी    |
| ८) नाट्याचार्य देवल                         | - प्रा. श्री. ना. बनहट्टी  |
| ९) मराठी नाट्यसंसार                         | - वि.स. खांडेकर            |
| १०) चरित्र - आत्मचरित्र (तंत्र आणि इतिहास ) | - अ.म.जोशी.                |
| ११) चरित्र - आत्मचरित्र (साहित्य रूप )      | - डॉ.सदा कऱ्हाडे           |
| १२) आधुनिक मराठी वाङ्मयाचा इतिहास           | - डॉ.भारत हंडीबाग (संपादक) |

डॉ.बाबासाहेब आंबेडकर मराठवाडा विद्यापीठ, औरंगाबाद

बी.ए.मराठी सत्रनिहाय अभ्यासक्रम

सत्र दुसरे

अभ्यासपत्रिका आठवी (ऐच्छिक) ( MAR- १०८)

साहित्य प्रकारांतर आणि साहित्याचे माध्यमांतर

अभ्यासक्रमाची उद्दिष्ट्ये :-

- १) साहित्य प्रकारांतराची संकल्पना स्पष्ट करणे.
- २) माध्यमांचे महत्त्व स्पष्ट करून त्याचा साहित्याशी असणारा अनुबंध उलगडून दाखविणे
- ३) माध्यमांसाठीच्या विविध लेखन प्रकारांचा परिचय करून देणे.
- ४) माध्यमांसाठीच्या लेखनप्रकाराचे महत्त्व व आवश्यकता याविषयी स्थूल परिचय घडविणे.
- ५) माध्यम लेखनात असणारे साहित्याचे महत्त्व विशद करणे.

डॉ.बाबासाहेब आंबेडकर मराठवाडा विद्यापीठ, औरंगाबाद

शैक्षणिक वर्ष जून - २०१४ पासून लागू

बी.ए.मराठी द्वितीय वर्ष (ऐच्छिक) सत्रनिहाय अभ्यासक्रम

अभ्यासपत्रिका आठवी ( MAR १०८)

सत्र दुसरे

गुण : ५०

साहित्य प्रकारांतर आणि साहित्याचे माध्यमांतर

तासिका : ६०

घटक १. साहित्य प्रकारांतराची संकल्पना व स्वरूप

- १.१) साहित्य प्रकारांतर म्हणजे काय ?
- १.२) साहित्य प्रकारांतर : मूळ रचनाबंध मोडून नवा रचनाबंधाची निर्मिती.
- १.३) वाङ्मय प्रकारांतराची लेखकाला वाटणारी आवश्यकता.  
(उदा. एकांकिकेचे नाटक,कादंबरीचे नाटक करणे )
- १.४) साहित्य प्रकारांतराची काही उदाहणे.

घटक २. 'माध्यम' संकल्पना: प्रकार व वैशिष्ट्ये

- २.१) महत्त्वाची माध्यमे : मुद्रित, श्राव्य व दृक-श्राव्य माध्यम
- २.२) माध्यमे व साहित्य यांचा अनुबंध
- २.३) माध्यमांसाठी साहित्याची आवश्यकता
- २.४) माध्यम : आधुनिक काळाची गरज

घटक ३. माध्यमासाठीचे लेखन

- ३.१) मुद्रित माध्यमासाठीचे लेखन (स्थूल परिचय)  
(सदर लेखन,स्फुटलेखन,अग्रलेख,ग्रंथपरीक्षण इ.)
- ३.२) श्राव्य माध्यमासाठीचे लेखन  
(श्रुतिका व नभोनाट्य लेखन
- ३.३) दृक-श्राव्य माध्यमासाठीचे लेखन  
(पटकथा लेखन (मालिकेसाठी), साहित्यविषयक अन्य कार्यक्रम उदा.वाचाल तर वचाल,  
साहित्यविषयक गप्पा,मुलाखती इ.)

## ३.४) माध्यम लेखनाची वैशिष्ट्ये

(उदा. संवाद लेखन, चित्रिकरणाचे भान असणे, ध्वनी संयोजन, पार्श्वसंगीताचा वापर, कथेच्या गुंफणीतील रहस्यमयता इ.)

## घटक ४. साहित्याचे माध्यमांतर (चित्रपटाच्या विशेष संदर्भात )

४.१) चित्रपट, पटकथा लेखनाचे स्वरूप.

४.२) कथा वा कादंबरीवरून चित्रपटकथा लेखनाचे वेगळेपण.

४.३) लघुपट व लघुपटाचे कथालेखन

४.४) मराठी साहित्य व चित्रपट : एक अनुबंध.

साहित्यकृती : १) नटरंग - आनंद यादव

## पूरक संदर्भ पुस्तके:-

१) अंतरीचा दिवा: वि.स.खांडेकर, मेहता पब्लिशिंग हाऊस, पुणे

(प्रस्तुत ग्रंथ वि.स.खांडेकर यांच्या पटकथांचा संग्रह आहे.)

२) सर्जनशील लेखन : आनंद पाटील

३) साहित्य : आस्वाद, अध्यापन आणि समीक्षा (डॉ. वा. मु. गिडें यांच्या निवडक लेखांचा संग्रह) संपादन: सतीश बडवे,

( या पुस्तकातील वाङ्मय प्रकारांतराचे स्वरूप : काही विचार हा लेख )

४) व्यावहारिक व उपयोजित मराठी (भाग १ व २ ) डॉ. प्रकाश मेदककर, विद्या बुक्स, औरंगाबाद.

५) निवडक भाषा आणि जीवन, संपादक: कल्याण काळे, मेहता पब्लिशिंग हाऊस, पुणे.

  
डॉ. सरफटे सदाशिव हरिभाऊ

अध्यक्ष

मराठी अभ्यास मंडळ,

डॉ. बाबासाहेब आंबेडकर मराठवाडा विद्यापीठ,  
औरंगाबाद .

डॉ.बाबासाहेब आंबेडकर मराठवाडा विद्यापीठ, औरंगाबाद

शैक्षणिक वर्ष जून - २०१४ पासून लागू

बी.ए.मराठी द्वितीय वर्ष (ऐच्छिक) सत्रनिहाय अभ्यासक्रम

(अभ्यासपत्रिका क्र.५,६,७ व ८ साठी प्रश्नपत्रिकेचे स्वरूप)

|          |                           |          |
|----------|---------------------------|----------|
| प्र.१ ला | दीर्घोत्तरी (दोन पैकी एक) | - १५ गुण |
| प्र.२ रा | दीर्घोत्तरी (दोन पैकी एक) | - १५ गुण |
| प्र.३ रा | लघुत्तरी (चार पैकी दोन)   | - १० गुण |
| प्र.४ वा | टीपा लिहा (चार पैकी दोन)  | - १० गुण |
| एकूण     |                           | - ५० गुण |

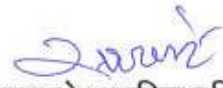
## डॉ.बाबासाहेब आंबेडकर मराठवाडा विद्यापीठ,औरंगाबाद

मराठी विषयाच्या अभ्यासक्रमाचा आराखडा

बी.ए./बी.एससी./बी.कॉम/बी.एस.डब्ल्यू प्रथम भाषा व बी.ए.द्वितीय वर्ष ऐच्छिक

शैक्षणिक वर्ष जून - २०१४ पासून लागू

| पेपर कोड नं. | पेपर नं.             | पेपर शीर्षक                                  | क्रेडीट | सत्र<br>परीक्षा<br>गुण | सत्र       |
|--------------|----------------------|----------------------------------------------|---------|------------------------|------------|
| MAR-००३      | अभ्यास पत्रिका तिसरी | गद्य-पद्य व उपयोजित मराठी                    | ०४      | ५०                     | सत्र पहिले |
| MAR-००४      | अभ्यास पत्रिका चौथी  | गद्य-पद्य व उपयोजित मराठी                    | ०४      | ५०                     | सत्र दुसरे |
| MAR-१०५      | अभ्यास पत्रिका पाचवी | आधुनिक मराठी वाङ्मयाचा इतिहास                | ०४      | ५०                     | सत्र पहिले |
| MAR-१०६      | अभ्यास पत्रिका सहावी | दृक-श्राव्य माध्यमांसाठी लेखन कौशल्य         | ०४      | ५०                     | सत्र पहिले |
| MAR-१०७      | अभ्यास पत्रिका सातवी | आधुनिक मराठी वाङ्मयाचा इतिहास                | ०४      | ५०                     | सत्र दुसरे |
| MAR-१०८      | अभ्यास पत्रिका आठवी  | साहित्य प्रकारांतर आणि साहित्याचे माध्यमांतर | ०४      | ५०                     | सत्र दुसरे |

  
डॉ.सरकटे सदाशिव हरिभाऊ  
अध्यक्ष

मराठी अभ्यास मंडळ,  
डॉ.बाबासाहेब आंबेडकर मराठवाडा विद्यापीठ,  
औरंगाबाद .

S-30th May, 2015 AC after Circulars from Circular No.147 &amp; onwards - 1 -

**DR. BABASAHEB AMBEDKAR MARATHWADA UNIVERSITY****CIRCULAR NO.ACAD/SU/Arts/B.A.III Yr. Syll./1/2015**

It is hereby notified for information to all the concerned that, on the recommendation of the Faculty of Arts the Academic Council at its meeting held on 30-05-2015 has accepted the **Revised Syllabi** under the Faculty of Arts as under :-

| Sr. No. | Name of the Subject | Semester |
|---------|---------------------|----------|
| [1]     | Marathi             | V & VI   |
| [2]     | Hindi               | V & VI   |
| [3]     | English             | V & VI   |
| [4]     | Urdu & Arabic       | V & VI   |
| [5]     | Pali and Buddhism   | V & VI   |
| [6]     | Sanskrit            | V & VI   |
| [7]     | Islamic Studies     | V & VI   |

This is effective from the **Academic Year 2015-16 & onwards** as appended herewith.

All concerned are requested to note the contents of the circular and bring the notice to the students, teachers and staff for their information and necessary action.

University Campus,  
Aurangabad-431 004.  
REF.NO.ACAD/SU/COMM./  
2015/2605-3004  
Date:- 15-06-2015.

★  
★  
★  
★  
★  
\*\*\*\*\*

  
**Director,**  
**Board of College and**  
**University Development.**

**Copy forwarded with compliments to:-**

- 1] The Principals, affiliated concerned colleges,  
Dr. Babasaheb Ambedkar Marathwada University

**Copy to :-**

- 1] The Controller of Examinations,
- 2] The Director, [E-Suvidha Kendra], in-front of Registrar's Quarter,  
Dr. Babasaheb Ambedkar Marathwada University,
- 3] The Superintendent, [B.A. Unit],
- 4] The Programmer [Computer Unit-1] Examinations,
- 5] The Programmer [Computer Unit-2] Examinations,
- 6] The Record Keeper.

DR. BABASAHEB AMBEDKAR MARATHWADA  
UNIVERSITY, AURANGABAD.



Syllabus of

**Marathi**

B.A. III Year

Semester- V & VI

(Effective from 2015 – 2016 & onwards)

डॉ. सदाशिव सरकटे

अध्यक्ष-मराठी अभ्यास मंडळ

डॉ. बाबासाहेब आंबेडकर मराठवाडा विद्यापीठ,  
औरंगाबाद.

*[Handwritten signature]*

*[Handwritten signature]*  
Dr. S. K. Bhandarkar

*[Handwritten signature]*  
Dr. B. K. Kurhade

*[Handwritten signature]*  
Dean  
Faculty of Marathi

*[Handwritten signature]*

डॉ.बाबासाहेब आंबेडकर मराठवाडा विद्यापीठ,औरंगाबाद

मराठी विषयाच्या अभ्यासक्रमाचा आराखडा

बी.ए.तृतीय वर्ष अभ्यासक्रमाकरिता

शैक्षणिक वर्ष जून २०१५ पासून लागू

सत्र पाचवे व सत्र सहावे

डॉ. बाबासोहब आंबेडकर मराठवाडा विद्यापीठ, औरंगाबाद

बी.ए. तृतीय वर्ष ( सत्र - पाचवे व सहावे )

शैक्षणिक वर्ष जून २०१५ पासून लागू

सत्रनिहाय अभ्यासक्रम

सत्र ५ वे

- ०१. अभ्यासपत्रिका ९ वी : भारतीय साहित्यविचार
- ०२. अभ्यासपत्रिका १० वी : भाषाविज्ञान
- ०३. अभ्यासपत्रिका ११ वी : मध्ययुगीन मराठी वाङ्मयाचा इतिहास ( प्रारंभ ते १६००)
- ०४. अभ्यासपत्रिका १२ वी : प्रकल्प कार्य भाग-१

सत्र ६ वे

- ०१. अभ्यासपत्रिका १३ वी : पाश्चात्य साहित्यविचार
- ०२. अभ्यासपत्रिका १४ वी : व्याकरण व निबंधलेखन
- ०३. अभ्यासपत्रिका १५ वी : मध्ययुगीन मराठी वाङ्मयाचा इतिहास (१६०१ ते १८१८)
- ०४. अभ्यासपत्रिका १६ वी : प्रकल्प कार्य भाग-२

टिप : उपमुख्य (Subsidairy) मराठी हा विषय घेऊन अभ्यास करणाऱ्या विद्यार्थ्यांनी पाचव्या सत्रातील अभ्यासपत्रिका क्र. ०९ व १० आणि सहाव्या सत्रातील अभ्यासपत्रिका क्र. १३ व १४ अभ्यासणे आवश्यक आहे.

डॉ. बाबासोहब आंबेडकर मराठवाडा विद्यापीठ,औरंगाबाद

बी.ए.तृतीय वर्ष अभ्यासक्रमाकरिता

शैक्षणिक वर्ष जून २०१५ पासून लागू

सत्र पाचवे

अभ्यासपत्रिका - ९ वी - भारतीय साहित्यविचार

गुण-५०

घटक क्र.०१ : साहित्याचे स्वरूप

व्याख्या- ( भामह, दण्डी, हेमचंद्र, वामन,रुद्रट,मम्मट, विश्वनाथ व इतर  
संस्कृत अभ्यासकांच्या मतांचा विचार )

लक्षणे - अलंकार, वक्रोक्ति, रीति, औचित्य, ध्वनी, रस.

घटक क्र.०२ : साहित्याची प्रयोजने

भामह,दण्डी, भरतमुनी आदींची मते

मम्मटाचा प्रयोजनविचार

घटक क्र.०३ : साहित्याची निर्मितीप्रक्रिया

( प्रतिभा, व्युत्पन्नता, अभ्यास व इतर पूरक कारणे)

घटक क्र. ०४ : रसविचार

भरताचे रससूत्र

भट्टलोल्लट, श्रीशंकुक, भट्टनायक व अभिनवगुप्त यांच्या मतांचा विचार

रससंख्या

रसविघ्ने

घटक क्र. ०५ : शब्दशक्ती व अर्थविचार

## संदर्भ ग्रंथ

०१. देशपांडे ग. त्र्यं. : भारतीय साहित्यविचार
०२. जोग रा. श्री. : अभिनव काव्यप्रकाश
०३. पाटणकर वसंत : साहित्यशास्त्र स्वरूप व समस्या
०४. गाडगीळ स.रा. : काव्यशास्त्रप्रदीप
०५. बेडेकर दि. के. : साहित्यविचार
०६. कुलकर्णी अ.वा. : साहित्यविचार
०७. मनोहर यशवंत : नवे साहित्यशास्त्र
०८. हंडीबाग भारत : साहित्यशास्त्र , कैलास पब्लिकेशन ,औरंगाबाद
०९. सरकटे सदाशिव : साहित्यशास्त्र , कैलास पब्लिकेशन, औरंगाबाद.
१०. सरकटे सदाशिव : साहित्य समीक्षेची मूलतत्वे, एज्युकेशन पब्लिशर्स अँड डिस्ट्रीब्युटर्स,औरंगपूरा, औरंगाबाद.

डॉ. बाबासोहब आंबेडकर मराठवाडा विद्यापीठ,औरंगाबाद

बी.ए.तृतीय वर्ष अभ्यासक्रमाकरिता

शैक्षणिक वर्ष जून २०१५ पासून लागू

सत्र पाचवे

अभ्यासपत्रिका - १० वी - भाषाविज्ञान

गुण-५०

घटक क्र. ०१: भाषेचे स्वरूप

भाषेच्या विविध व्याख्या

भाषेची वैशिष्ट्ये/ लक्षणे

भाषेबाबतचे समज- गैरसमज

भाषा: एक संकेत प्रणाली

घटक क्र.०२: स्वन व स्वनिमविचार

स्वनविचार

स्वनाचे स्वरूप

स्वननिर्मिती प्रक्रिया

स्वनांचे वर्गीकरण

घटक क्र.०३ स्वनिमविचार

स्वनिम संकल्पना

स्वनिम निश्चितीची तत्त्वे (विनियोग)

स्वनिमाचे प्रकार :

१) खंडित स्वनिम

२) खंडाधिष्ठित स्वनिम ( बलाघात , सीमासंधी, सुरावली,नासिक्यरंजन )  
मराठीची स्वनिम व्यवस्था

**घटक क्र.०४ : रुपिम आणि पदविचार**

भाषिक रुप आणि रुपिका

रुपिका आणि शब्द यातील फरक

रुपिका - रुपिम - रुपिकांतर

**घटक क्र.०५ : प्रमाण भाषा व बोलीभाषा**

वर्णनात्मक व ऐतिहासिक भाषाविज्ञान

**संदर्भ ग्रंथ**

- |                              |                                            |
|------------------------------|--------------------------------------------|
| ०१. कानडे मु.श्री. (संपा.)   | : मराठीचा भाषिक अभ्यास                     |
| ०२. ना.गो. कालेलकर           | : ध्वनिविचार                               |
| ०३. गर्जेद्रगडकर श्री.न.     | : भाषा आणि भाषाशास्त्र                     |
| ०४.जोगळेकर गं.ना.            | : अभिनव भाषाविज्ञान                        |
| ०५. कुलकर्णी कृ.पा.          | : मराठी भाषा उद्गम आणि विकास               |
| ०६. मंचरकर र.बा.             | : भाषाशास्त्रविचार                         |
| ०७. काले कल्याण , सोमण अंजली | : वर्णनात्मक भाषा विज्ञान                  |
| ०८. सरकटे सदाशिव             | : भाषाविज्ञान ,कैलास पब्लिकेशन , औरंगाबाद. |

डॉ. बाबासोहब आंबेडकर मराठवाडा विद्यापीठ, औरंगाबाद

बी.ए.तृतीय वर्ष अभ्यासक्रमाकरिता

शैक्षणिक वर्ष जून २०१५ पासून लागू

सत्र पाचवे

अभ्यासपत्रिका - ११ वी - मध्ययुगीन मराठी वाङ्मयाचा इतिहास (प्रारंभ ते १६००)

गुण-५०

उद्दिष्टे :-

- 1) यादवकालीन सामाजिक, सांस्कृतिक, धार्मिक स्थिती-गती लक्षात घेत त्या काळात जी ग्रंथरचना झाली तिच्याबद्दल माहिती करून घेणे, ग्रंथनिर्मितीमागील प्रेरणा व त्यांचा प्रत्यक्ष ग्रंथरचनेवरील परिणाम अभ्यासणे.
- 2) बहामनीकाल ग्रंथनिर्मितीमागील प्रेरणा व त्यांचा प्रत्यक्ष ग्रंथरचनेवरील परिणाम समजून घेणे.
- 3) तत्कालीन महत्त्वाचे ग्रंथ, ग्रंथकार व ग्रंथविशेष यांचे आकलन करून घेणे.

घटक क्र. - १ मराठीचा प्रारंभकाल व मुकुंदराज

घटक क्र.- २ महानुभाव पंथ आणि त्याचे वाङ्मयीन कार्य

- १) महानुभाव पंथाचे पंचकृष्ण
- २) महानुभाव पंथाचे तत्त्वज्ञान
- ३) महानुभावांचे वाङ्मयीन कार्य
- ४) महानुभावियांचे गद्य साहित्य
- ५) महानुभावियांचे पद्य साहित्य

घटक क्र.- ३ वारकरी संप्रदाय आणि त्याचे वाङ्मयीन कार्य

- १) संत ज्ञानेश्वर
- २) संत नामदेव
- ३) ज्ञानेश्वर पंचक

- ४) जनाबाई
- ५) चोखामेळा
- ६) कर्ममेळा
- ७) गोरकुंभार
- ८) विसोबा खेचर
- ९) सावता माळी
- १०) नरहरी सोनार
- ११) परिसा भागवत
- १२) सेना न्हावी
- १३) कान्होपात्रा

**घटक क्र.- ४ बहामनीकालीन मराठी साहित्य**

- १) दत्त संप्रदाय
- २) दासोपंत
- ३) संत एकनाथ
- ४) संत एकनाथांची वाङ्मय रचना

**घटक क्र. -५ संत तुकाराम आणि संत रामदास**

- १) संत तुकाराम
- २) संत तुकारामांची गाथा
- ३) संत तुकारामांचे कवित्व
- ४) समर्थ रामदास
- ५) संत रामदासांचे साहित्य

## संदर्भ ग्रंथ

|                     |                                              |
|---------------------|----------------------------------------------|
| ०१. श्री.व्यं.केतकर | : प्राचीन महाराष्ट्र                         |
| ०२. वि.ल.भावे       | : महाराष्ट्र सारस्वत                         |
| ०३ मु.ग.पानसे       | : यादवकालीन महाराष्ट्र                       |
| ०४ वि.भि.कोलते      | : महानुभाव तत्त्वज्ञान                       |
| ०५ वि.भि.कोलते      | : महानुभावांचा आचारधर्म                      |
| ०६ शं.गो.तुळपुळे    | : महानुभाव आणि त्यांचे वाङ्मय                |
| ०७ शं.गो.तुळपुळे    | : पाच संतकवी                                 |
| ०८ अ.ना.देशपांडे    | : प्राचीन मराठी वाङ्मयाचा इतिहास             |
| ०९ ह.श्री. शेणोलिकर | : प्राचीन मराठी वाङ्मयाचा इतिहास             |
| १०. गं.बा.सरदार     | : संत वाङ्मयाची सामाजिक फलश्रुती             |
| ११. वा.ल.कुलकर्णी   | : वाङ्मयीन टिपा आणि टिप्पणी                  |
| १२. दि.पु.चित्रे    | : पुन्हा तुकाराम                             |
| १३. रा.श्री. जोग.   | : प्राचीन मराठी वाङ्मयाभिरुचीचे विहंगमावलोकन |
| १४. वि.अं.कानोले    | : मुकुंदराजाची अंबानगरी कोणती ?              |
| १५. हंसराज जाधव     | : महानुभावांची आख्यानकाव्ये                  |

डॉ. बाबासोहब आंबेडकर मराठवाडा विद्यापीठ, औरंगाबाद

बी.ए. तृतीय वर्ष अभ्यासक्रमाकरिता

शैक्षणिक वर्ष जून २०१५ पासून लागू

सत्र पाचवे

अभ्यासपत्रिका - १२ वी - प्रकल्प कार्य भाग ०१

उद्दिष्टे :

- १) वाचन लेखन कौशल्याचा विकास
- २) समीक्षणात्मक दृष्टीचा विकास
- ३) संशोधनात्मक दृष्टीचा विकास

अध्ययन-अध्यापन प्रक्रिया

१. लेखन कौशल्य

प्रकल्पाचे स्वरूप

१. भाषा, साहित्य, साहित्येतिहास, साहित्यशास्त्र, भाषाविज्ञान इ. विषयाचे आकलन करून प्रकल्पाचे लेखन करणे.
२. संबंधित विषय शिक्षकाच्या मार्गदर्शनानुसार विषयाची निवड करणे.
३. प्रकल्प कमीत २५ व जास्तीत जास्त पृष्ठांचा ४० पृष्ठांचा टंकलिखित केलेला असावा.
४. प्रकल्प कार्य स्पायरल बाईंडिंग करून सादर करण्यात यावा.
५. प्रकल्पाचे मूल्यांकन संबंधित अध्यापकाच्या मार्गदर्शनानुसार असावे.
६. प्रकल्प कार्य पूर्ण करून दुसऱ्या सत्रात सादर करावा.

डॉ. बाबासोहब आंबेडकर मराठवाडा विद्यापीठ, औरंगाबाद

बी.ए.तृतीय वर्ष अभ्यासक्रमाकरिता

शैक्षणिक वर्ष जून २०१५ पासून लागू

सत्र सहावे

अभ्यासपत्रिका - १३ वी - पाश्चात्य साहित्यविचार

गुण-५०

घटक क्र. ०१ : साहित्याचे स्वरूप

व्याख्या - ( हॅझलिट, रस्किन, कोलरिज, कोर्टहोप, कार्लईल, वर्डस्वर्थ, मॅथ्यू  
अर्नॉल्ड, कोट व इतर )

लक्षणे - कल्पना, भावना , बुद्धी, लयबद्धता, शैली

घटक क्र. ०२ : साहित्याची प्रयोजने

पलायनवाद, स्वप्नरंजन, जिज्ञासापूर्ती, आत्मविष्कार, उद्बोधन, विरेचन

( कॅथॅरिसिस) व प्रचार

घटक क्र. ०३ : साहित्याची निर्मितीप्रक्रिया

सिगमंड फ्रॉइड

कार्ल गुस्ताव युंग

एफ.सी. प्रिस्कॉट

कोलरिज

टी.एस.एलियट , मरे क्रायगर , यांचे निर्मिती प्रक्रियेसंदर्भात मत

घटक क्र. ०४ मार्क्सवादी साहित्यविचार

कार्ल मार्क्सचा साहित्यविषयक दृष्टिकोन

समाजवादी वास्तववाद

परीत्मतेची संकल्पना

बांधिलकीची संकल्पना

घटक क्र.०५ ऐतिहासिक व मार्क्सवादी समीक्षा पद्धती

**संदर्भ ग्रंथ**

- ०१. भालचंद्र खांडेकर/ लीला गोविलकर : पाश्चात्य साहित्यविचार
- ०२. सुरेश धायगुडे : पाश्चात्य साहित्यशास्त्र - सिद्धान्त आणि संकल्पना
- ०३. रा.भा. पाटणकर : सौंदर्यमीमांसा
- ०४. सुधीर रसाळ : कविता आणि प्रतिमा
- ०५. वि.स. जोग : मार्क्सवाद आणि मराठी साहित्य
- ०६. सदा कऱ्हाडे : साहित्य आणि समाज
- ०७. डॉ. सदाशिव सरकटे : साहित्यशास्त्र
- ०८. डॉ. सदाशिव सरकटे : साहित्य समीक्षेची मूलतत्वे

डॉ. बाबासोहब आंबेडकर मराठवाडा विद्यापीठ, औरंगाबाद

बी.ए.तृतीय वर्ष अभ्यासक्रमाकरिता

शैक्षणिक वर्ष जून २०१५ पासून लागू

सत्र सहावे

अभ्यासपत्रिका - १४ वी - व्याकरण व निबंध

गुण-५०

घटक क्र.०१ : शब्दांच्या जाती व शब्दसंग्रह ( समानार्थी, विरुद्धार्थी व अनेकार्थी )

घटक क्र.०२: संधीविचार

स्वरसंधी

व्यंजनसंधी

विसर्गसंधी

घटक क्र.०३ : समास

अव्ययीभाव समास

तत्पुरुष समास

द्वंद्वसमास

बहुव्रीहि समास

घटक क्र.०४ अलंकार

शब्दालंकार ( श्लेष, अनुप्रास, यमक )

अर्थालंकार ( उपमा, रूपक, चेतनागुणोक्ती, अन्योक्ती, स्वाभावोक्ती या प्रकारांचा अभ्यास)

घटक क्र.०५ : निबंध

वाङ्मयीन निबंध लेखन

वैचारिक निबंध लेखन

**संदर्भ ग्रंथ**

०१. मो. के. दामले : शास्त्रीय मराठी व्याकरण
०२. अ.ग. मंगरूळकर : मराठीच्या व्याकरणाचा पुनर्विचार
०३. मो. रा. वालंबे : सुगम मराठी व्याकरण
०४. डॉ. लीला गोविलकर : मराठीचे व्याकरण
०५. रा.ग. जाधव : वाङ्मयीन निबंध लेखन

डॉ. बाबासोहब आंबेडकर मराठवाडा विद्यापीठ, औरंगाबाद

बी.ए.तृतीय वर्ष अभ्यासक्रमाकरिता

शैक्षणिक वर्ष जून २०१५ पासून लागू

सत्र सहावे

अभ्यासपत्रिका - १५ वी - मध्ययुगीन मराठी वाङ्मयाचा इतिहास (१६०१ ते १८१८)

गुण -५०

उद्दिष्टे :-

- १) शिवकालीन सामाजिक,सांस्कृतिक,धार्मिक स्थिती-गती लक्षात घेत त्या काळात जी ग्रंथरचना झाली तिच्याबद्दल माहिती करून घेणे, ग्रंथनिर्मितीमागील प्रेरणा व त्यांचा प्रत्यक्ष ग्रंथरचनेवरील परिणाम अभ्यासणे.
- २) पेशवेकालीन ग्रंथनिर्मितीमागील प्रेरणा व त्यांचा प्रत्यक्ष ग्रंथरचनेवरील परिणाम समजून घेणे.
- ३) तत्कालीन महत्त्वाचे ग्रंथ, ग्रंथकार व ग्रंथविशेष यांचे आकलन करून घेणे.

घटक क्र.-०१

पंडिती साहित्य-प्रेरणा,स्वरूप व वैशिष्ट्ये

घटक क्र.- ०२

मुक्तेश्वर, वामन पंडित, रघुनाथ पंडित, सामराज,श्रीधर,  
मोरोपंत यांचे ग्रंथ आणि ग्रंथकारांचा परिचय

घटक क्र.-०३

शाहिरी वाङ्मय-प्रेरणा, स्वरूप व वैशिष्ट्ये  
परशुराम,राम जोशी, होनाजी बाळा,अनंत फंदी,  
सगनभाऊ, प्रभाकर यांच्या वाङ्मयाचा परिचय

घटक क्र.-०४

बखर वाङ्मय प्रेरणा,स्वरूप व वैशिष्ट्ये  
शिवपूर्वकालीन बखरी, शिवकालीन बखरी,  
पेशवेकालीन बखरी यांचा परिचय.

## संदर्भ ग्रंथ

०१. श्री.व्यं.केतकर : प्राचीन महाराष्ट्र  
 ०२. वि.ल.भावे : महाराष्ट्र सारस्वत  
 ०३. अ.ना.देशपांडे : प्राचीन मराठी वाङ्मयाचा इतिहास  
 ०४. ह.श्री. शेणोलिकर : प्राचीन मराठी वाङ्मयाचा इतिहास  
 ०५. वा.ल.कुलकर्णी : वाङ्मयीन टिपा आणि टिप्पणी  
 ०६. रा.श्री. जोग. : प्राचीन मराठी वाङ्मयाभिरुचीचे विहंगमावलोकन  
 ०७. म.रा.धोंड : मराठी लावणी  
 ०८. के.ना.वाटवे : पंडित कवी  
 ०९. गं.ब.ग्रामोपाध्ये : मराठी बखर गद्य  
 १०. य.न.केळकर : तंत कवी तथा शाहिर  
 ११. बा.अ.भिडे : मुक्तेश्वर  
 १२. नरेंद्र भारवाडे/डॉ.सदाशिव सरकटे : मध्ययुगीन मराठी वाङ्मयाचा इतिहास

डॉ. बाबासोहब आंबेडकर मराठवाडा विद्यापीठ, औरंगाबाद

बी.ए. तृतीय वर्ष अभ्यासक्रमाकरिता

शैक्षणिक वर्ष जून २०१५ पासून लागू

सत्र पाचवे

अभ्यासपत्रिका - १६ वी - प्रकल्प कार्य भाग ०२

गुण- १००

**उद्दिष्टे :**

- १) वाचन लेखन कौशल्याचा विकास
- २) समीक्षणात्मक दृष्टीचा विकास
- ३) संशोधनात्मक दृष्टीचा विकास
- ४) सिमा भागातील व आपल्या प्रादेशिक विशेषांचा भाषिक अभ्यास व संशोधन करणे.
- ५) भाषा बोलीचे शब्दविशेष नोंदविणे.
- ६) लोकजीवनातील ओवी, लोकगीते, उखाणे, लोककथा इ. संकलन व मूल्यमापन करणे.

**अध्ययन-अध्यापन प्रक्रिया**

१. लेखन कौशल्य

**प्रकल्पाचे स्वरूप**

१. भाषा, साहित्य, साहित्येतिहास, साहित्यशास्त्र, भाषाविज्ञान इ. विषयाचे आकलन करून प्रकल्पाचे लेखन करणे.
२. संबंधित विषय शिक्षकाच्या मार्गदर्शनानुसार विषयाची निवड करणे.
३. प्रकल्प कमीत कमी २५ व जास्तीत जास्त ४० पृष्ठांचा टंकलिखित केलेला असावा.
४. प्रकल्प कार्य स्पायरल बाईंडिंग करून सादर करण्यात यावा.
५. प्रकल्पाचे मूल्यांकन संबंधित अध्यापकाच्या मार्गदर्शनानुसार असावे.

**डॉ.बाबासाहेब आंबेडकर मराठवाडा विद्यापीठ, औरंगाबाद**

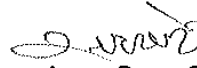
शैक्षणिक वर्ष जून - २०१५ पासून लागू

बी.ए.मराठी तृतीय वर्ष (ऐच्छिक) सत्रनिहाय अभ्यासक्रम

(अभ्यासपत्रिका क्र.१,१०,११,१३,१४ व १५ साठी प्रश्नपत्रिकेचे स्वरूप)

|          |                           |          |
|----------|---------------------------|----------|
| प्र.१ ला | दीर्घोत्तरी (दोन पैकी एक) | - १५ गुण |
| प्र.२ रा | दीर्घोत्तरी (दोन पैकी एक) | - १५ गुण |
| प्र.३ रा | लघुत्तरी (चार पैकी दोन)   | - १० गुण |
| प्र.४ वा | टीपा लिहा (चार पैकी दोन)  | - १० गुण |
| एकूण     |                           | - ५० गुण |

टिप : प्रकल्प कार्य भाग -०१ व ०२ (अभ्यास पत्रिका १२ व १६) साठी एकत्रित १०० गुण

  
**डॉ.सरकटे सदाशिव हरिभाऊ**  
 अध्यक्ष

मराठी अभ्यास मंडळ,  
 डॉ.बाबासाहेब आंबेडकर मराठवाडा विद्यापीठ,  
 औरंगाबाद .